आर.एन.आई. नं. 45080/85, पी.ओ.
रजि.नं. मालवा डिवी./04/2024-26

दैनिक अवन्तिका

सब पे नज़र, सबकी ख़बर

संस्थापक : स्व. श्री गोवर्धनलालजी मेहता | वर्ष 39 अंक 353 | इंदौर, सोमवार 20 जुलाई, 2026 | आषाढ़ शुक्ल 6 संवत् 2083 | पृष्ठ-12 मूल्य-4.00 | www.awantika.com

देश विदेश

खराब मौसम की वजह से अमरनाथ के बाद अब वैष्णो देवी यात्रा भी रोकी

श्रीनगर। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) द्वारा जारी खराब मौसम की चेतावनी के बाद जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने एहतियाती कदम उठाते हुए 19 जुलाई से अमरनाथ यात्रा और माता वैष्णो देवी यात्रा को अस्थायी रूप से रोक दिया है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यह निर्णय पूरी तरह श्रद्धालुओं की सुरक्षा को ध्यान में रखकर लिया गया है। कश्मीर के मंडल आयुक्त अंशुल गर्ग ने बताया कि अगले आदेश तक बालटाल और नुनवान-चंदनवाड़ी बेस कैंपों से किसी भी श्रद्धालु को आगे जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। यह प्रतिबंध उन यात्रियों पर भी लागू होगा, जो पहले से इन बेस कैंपों में मौजूद हैं। मौसम में सुधार और यात्रा मार्ग की सुरक्षा सुनिश्चित होने के बाद ही उन्हें आगे बढ़ने की अनुमति दी जाएगी।

देश में चाइनीज स्मार्टफोन की बाजार हिस्सेदारी घटी

मुंबई। देश के स्मार्टफोन बाजार में अप्रैल-जून तिमाही में एक खास ट्रेंड देखा गया। चाइनीज ब्रांड्स की बाजार हिस्सेदारी घटकर छह साल के निचले स्तर (18% तक) पर आ गई। दूसरी तरफ सैमसंग, नथिंग और गूगल पिक्सल जैसी कंपनियों ने बिक्री में तेज ग्रोथ दिखाई। रिसर्च फर्म काउंटरपॉइंट के मुताबिक, जून तिमाही के दौरान स्मार्टफोन की कुल बिक्री सालाना आधार पर 10% घटी, जो बीते छह साल में जून-तिमाही की सबसे तेज गिरावट है। सबसे ज्यादा असर 15 हजार रुपए से सस्ते फोन पर पड़ा, जिनकी बिक्री 45% घट गई। गिरावट की बड़ी वजह मेमोरी चिप (डेटा स्टोर करने वाला पुर्जा) की कीमतों में उछाल रही, जिसके चलते ज्यादातर कंपनियों ने फोन के दाम करीब 15% तक बढ़ा दिए।

एनवीडिया सीईओ की ब्लैक लेदर जैकेट 9.4 करोड़ में बिकी

नई दिल्ली। अमेरिकी टेक कंपनी एनवीडिया के सीईओ जेन्सन हुआंग की पहचान बन चुकी उनकी खास ब्लैक लेदर जैकेट करीब 9.4 करोड़ रुपए (9.60 लाख डॉलर) में नीलाम हुई है। ऑक्शन हाउस सोथबी द्वारा आयोजित इस नीलामी में जैकेट की कीमत उम्मीद से 16 गुना ज्यादा मिली है। पहले इसके 40 हजार से 60 हजार डॉलर (करीब 33 लाख से 50 लाख रुपए) में बिकने का अनुमान लगाया गया था। इस नीलामी से मिलने वाली पूरी रकम को टेक और साइंस सेक्टर के युवा इनोवेटर्स की मदद के लिए दान किया जाएगा। फॉर्च्यून की रिपोर्ट के मुताबिक, इस नीलामी से मिली राशि सैन फ्रांसिस्को की वेंचर कैपिटल फर्म 'लॉन्च जर्नी वेंचर्स' द्वारा शुरू की गई एक पहल में जाएगी। यह पहल एज इंस्टीट्यूट नाम के एक नॉन-प्रॉफिट ऑर्गेनाइजेशन की मदद के लिए काम करती है।

आर्टिकल 370 को बेस्ट फीचर फिल्म का नेशनल अवॉर्ड

मुंबई। फिल्म आर्टिकल 370 को शनिवार को 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में वर्ष 2024 की बेस्ट फीचर फिल्म का पुरस्कार मिला। वहीं, फिल्म 'श्रीकांत' को बेस्ट हिंदी फिल्म का पुरस्कार मिला और यामी गौतम को लीडिंग रोल में बेस्ट एक्ट्रेस का पुरस्कार दिया गया। वहीं, 'ब्रमायुगम' के लिए ममूटी और 'चंदू चैंपियन' के लिए कार्तिक आर्यन को संयुक्त रूप से लीडिंग रोल में बेस्ट एक्टर का पुरस्कार दिया गया। बेस्ट फीचर फिल्म का पुरस्कार जीतने वाली 'आर्टिकल 370' का निर्देशन आदित्य सुहास जांभले ने किया था। फिल्म में यामी गौतम ने मुख्य भूमिका निभाई थी, जिसके लिए उन्हें बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड मिला। जो उनका पहला नेशनल अवॉर्ड होगा। सैकनिल्क के मुताबिक, करीब 20 करोड़ रुपए के बजट में बनी इस फिल्म ने दुनियाभर में लगभग 110 करोड़ रुपए का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन किया। कार्तिक आर्यन और ममूटी को संयुक्त रूप से बेस्ट एक्टर का पुरस्कार मिला। यह कार्तिक का पहला नेशनल अवॉर्ड है, जबकि ममूटी का यह चौथा नेशनल अवॉर्ड है।

ईपीएफओ ने 6 महीने के लिए लॉन्च की नई स्कीम

नई दिल्ली। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन ने पीएफ विवादों को सुलझाने के लिए एक बहुत बड़ी और नई पहल की शुरूआत की है। इस नई एकमुश्त विवाद समाधान योजना का मुख्य उद्देश्य काफी लंबे समय से अटके हुए पीएफ से जुड़े विवादों का आसान और सौहार्दपूर्ण तरीके से निपटारा करना है। श्रम और रोजगार मंत्रालय ने बताया कि यह योजना नियोक्ताओं को पारदर्शी तरीके से अपने लंबित मामले निपटाने का मौका देगी। इस खास पहल से अदालती मामलों में कमी आएगी और कर्मचारियों के हितों की पूरी तरह से रक्षा हो सकेगी। ईपीएफओ की यह नई योजना मुख्य रूप से कर्मचारी भविष्य निधि अधिनियम, 1952 की धारा 14बी के तहत मामलों को सुलझाएगी।

ईरान ने अमेरिका का एमक्यू-9 ड्रोन मार गिराने का वीडियो भी जारी किया

तेल अवीव/। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने दावा किया है कि उसने खुजेस्तान प्रांत के अहवाज में अमेरिकी एमक्यू-9 रीपर ड्रोन को इंटरसेप्ट कर मार गिराया। ईरानी सरकारी मीडिया ने ड्रोन गिराने का वीडियो भी जारी किया है। आईआरजीएस के मुताबिक, उसने अपने नए डिफेंस सिस्टम से ड्रोन को निशाना बनाया। हालांकि अमेरिका ने अब तक न तो ड्रोन गिराए जाने के दावे की पुष्टि की है और न ही जारी वीडियो पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया दी है। एमक्यू-9 रीपर अमेरिकी सेना का अत्याधुनिक मानव रहित ड्रोन है, जिसका इस्तेमाल निगरानी, खुफिया जानकारी जुटाने और सटीक हवाई हमलों के लिए किया जाता है।

मानसून सत्र से पहले 3 घंटे चली सर्वदलीय बैठक: 40 पार्टियां शामिल, रिजिजू बोले- सबने अपनी बात रखी, आज वंदे मातरम से जुड़ा बिल पेश होगा

एनसीपीआई को लेकर फिर हंगामा, ऑल पार्टी मीटिंग से विपक्ष ने किया वॉकआउट

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

मानूसन सत्र से एक दिन पहले रविवार को संसद भवन के एनेक्सी बिल्डिंग में सर्वदलीय बैठक हुई। 3 घंटे चली मीटिंग की अध्यक्षता राजनाथ सिंह ने की। मीटिंग में कांग्रेस, सपा, टीएमसी, डीएमके सहित 40 दलों के नेता शामिल हुए। हालांकि बैठक के बीच विपक्ष ने सांकेतिक वॉकआउट किया।

विपक्ष का आरोप है कि सरकार ने टीएमसी के बागी 20 सांसदों के गुट को बैठक में क्यों बुलाया, जबकि स्पीकर ओम बिरला ने उनके गुट को अभी तक मान्यता नहीं दी है। उधर संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने बैठक के बाद कहा कि, मीटिंग में अच्छी चर्चा हुई। सबने अपनी बात रखी। सदन बिना रुकावट चले, यह हम सभी की जिम्मेदारी है। संसद का मानसून सत्र 20 जुलाई से शुरू होकर 13 अगस्त तक चलेगा। इस दौरान 19 बैठकें होंगी। सोमवार को

अमित शाह राज्यसभा में वंदे मातरम से जुड़ा बिल पेश करेंगे। टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने कहा कि कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, डीएमके, जेएमएम, आम आदमी पार्टी, नेशनल कॉन्फ्रेंस, वामपंथी दलों और शिवसेना (यूबीटी) समेत पूरे विपक्ष ने सर्वदलीय बैठक का वॉकआउट किया।

उन्होंने कहा कि टेबल ऑफिस की लिस्ट में अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस की सदस्य संख्या 28 दिखाई गई है, जबकि एनसीपीआई नाम की एक गैर-मान्यता प्राप्त पार्टी के 20 बागी सांसदों के विलय को स्पीकर ने मंजूरी नहीं दी है और उनकी अयोग्यता की याचिकाएं अभी लंबित हैं।

महुआ ने सवाल उठाया कि 91वें संशोधन के बाद जब किसी अलग गुट की गुंजाइश ही नहीं है, तो संसदीय कार्य मंत्री ने इन 20 बागी सांसदों को किस आधार पर न्योता दिया? इसी के विरोध में पूरे विपक्ष ने बैठक का बहिष्कार किया। टीएमसी के बागी सांसद सुदीप बंदोपाध्याय संसद के मॉनसून सत्र से पहले सर्वदलीय बैठक में शामिल होने के लिए संसद एनेक्सी बिल्डिंग पहुंचे। उन्होंने कहा कि वह आज एक नई राजनीतिक पार्टी, एनसीपीआई के नेता के तौर पर इस बैठक में शामिल हो रहे हैं।

कैबिनेट की मीटिंग से पहले प्रदेश में हटाए गए दो जिलों के एसपी

दैनिक अवन्तिका ▸▸ भोपाल

मध्य प्रदेश कैबिनेट की मीटिंग भोपाल के जगदीशपुर में हो रही है। कैबिनेट की मीटिंग से पहले दो एसपी के तबादले हुए है। टीकमगढ़ और श्योपुर के एसपी को हटा दिया। कथित तौर पर कहा जा रहा है कि दोनों के खिलाफ कई शिकायतें थीं। सीएम मोहन यादव दो दिन पहले टीकमगढ़ दौरे पर गए थे।

तीन आईपीएस अफसरों का तबादला- एमपी कैबिनेट मीटिंग से पहले तीन आईपीएस अफसरों का तबादला हुआ है। 2012 बैच के आईपीएस अधिकारी मनोहर सिंह मंडलोई टीकमगढ़ के एसपी थे। उन्हें हटा दिया गया है और पुलिस मुख्यालय भोपाल भेज दिया गया है। 2016 बैच के आईपीएस अधिकारी सुधीर कुमार अग्रवाल को टीकमगढ़ एसपी बनाया गया है। सुधीर कुमार अग्रवाल अभी श्योपुर के एसपी थे। वहीं, 2018 बैच के आईपीएस अधिकारी मोती उर रहमान को श्योपुर का नया एसपी बनाया गया है। बताया जा रहा है कि टीकमगढ़ में बिगड़ती कानून व्यवस्था को लेकर टीकमगढ़ एसपी को लेकर सीएम के पास कई शिकायतें पहुंची थीं। इसके बाद यह कार्रवाई की गई है। भोपाल आने के बाद सीएम ने उन्हें पद से हटा दिया है। गौरतलब है कि टीकमगढ़ एसपी के तबादले के बाद कई तरह की अटकलें हैं। हालांकि आधिकारिक रूप से कुछ नहीं बताया गया है कि दोनों के ट्रांसफर क्यों हुए हैं। सीएम मोहन यादव का फील्ड में तैनात अधिकारियों के लिए क्लियर मैसेज रहा है कि फील्ड में रहना है तो परफॉर्म करना होगा। अब बदले गए आईपीएस अधिकारी जल्द ही नई जगहों पर जाकर कार्यभार संभालेंगे। इन तबादलों से कई तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं।

दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा- सरकार और पुलिस से 3 दिन में जवाब मांगा, अगली सुनवाई गुरुवार को

वांगचुक को इलाज के लिए उठाना गलत नहीं

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में भर्ती सोनम वांगचुक को लेकर दिल्ली हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। कोर्ट ने कहा- स्वास्थ्य बिगड़ने और डिवीजन बेंच के आदेश के कारण उन्हें सरकारी अस्पताल ले जाया गया। सरकार की इस कार्रवाई को मनमाना नहीं कहा जा सकता। वांगचुक को वहीं दवाएं दी जा रहीं, जिसमें उनकी रजामंदी है। कोर्ट ने केंद्र और दिल्ली सरकार के साथ पुलिस को 3 दिन में जवाब दाखिल करने का आदेश दिया।

दरअसल सोनम की पत्नी गीतांजलि ने वांगचुक को सफदरजंग अस्पताल से प्राइवेट हॉस्पिटल शिफ्ट

करने की मांग की थी। मामले में अगली सुनवाई 24 जुलाई को होगी।

दिल्ली पुलिस शनिवार सुबह वांगचुक को जंतर-मंतर से उठाकर सफदरजंग अस्पताल ले गई थी। अस्पताल में भी वांगचुक की भूख हड़ताल जारी है। सीजेपी और वांगचुक 28 जून से नीट पेपर लीक मामले में जवाबदेही तय करने और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग के समर्थन में आमरण अनशन पर हैं।

मुंबई के शिवाजी पार्क में शिवसेना यूबीटी का प्रदर्शन शुरू

मुंबई के शिवाजी पार्क मैदान में शिवसेना ने सोनम वांगचुक के समर्थन में प्रदर्शन किया। शिवसेना यूबीटी विधायक आदित्य ठाकरे कहते हैं, आपने सोनम वांगचुक और अभिजीत दीपके के लिए समर्थन देखा। आज पूरे महाराष्ट्र के युवा मुंबई में एकत्र हुए हैं। कल, हम दिल्ली में इसी तरह का उत्साह और ताकत देखेंगे। यह आंदोलन बढ़ेगा। मूल मुद्दा यह है कि कल सोनम वांगचुक की हिरासत देश के लोकतंत्र के खिलाफ है और हमारी एकमात्र मांग है कि धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दें। हम देश के युवाओं की आवाज उठा रहे हैं।

वांगचुक से मिलने हॉस्पिटल पहुंचे फारूक अब्दुल्ला- नेशनल कॉन्फ्रेंस के प्रमुख और जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक से मिलने सफदरजंग अस्पताल पहुंचे।

9 साल की बच्ची से दुष्कर्म-हत्या का मामला

क्रूरता अकेले मौत की सजा का आधार नहीं : हाईकोर्ट

दैनिक अवन्तिका ▸▸ भोपाल

मध्य प्रदेश हाई कोर्ट की ग्वालियर बेंच ने शुक्रवार को एक केस में आरोपी की मौत की सजा को उम्रकैद में बदल दिया। आरोपी को 9 साल की बच्ची के रेप और हत्या का दोषी ठहराया गया था। कोर्ट ने कहा कि अपराध बहुत गंभीर था, लेकिन इसके लिए मौत की सजा जरूरी नहीं थी, क्योंकि यह मामला सबसे दुर्लभ मामलों की श्रेणी में नहीं आता।

निचली अदालत के आदेश को बदलते हुए बेंच ने कहा, अपराध ऐसा नहीं है कि इसके लिए मौत की सजा दी जाए।

जस्टिस जीएस अहलूवालिया और जस्टिस अनुराधा शुक्ला की डिवीजन बेंच ने ट्रायल कोर्ट द्वारा कल्लू राठौर को आईपीसी की धाराओं 302, 366 और 376 और पॉक्सो एक्ट के तहत दोषी ठहराए जाने के फैसले को तो बरकरार रखा, लेकिन उसकी मौत की सजा को बदलकर उम्रकैद (जब तक वह जीवित रहे) कर दिया। बेंच ने माना कि पीड़ित एक बेबस बच्ची थी, जिसे एक भरोसेमंद रिश्तेदार बहला-फुसलाकर ले गया था। लेकिन अभियोजन पक्ष ऐसे हालात साबित नहीं कर सका जो मौत की सजा को सही ठहराते हों।

केन-बेतवा आंदोलनकारियों को बलपूर्वक हटाया गया

दैनिक अवन्तिका ▸▸ छतरपुर

छतरपुर में केन-बेतवा लिंक परियोजना समेत विभिन्न मुद्दों को लेकर चल रहे आंदोलन के दौरान प्रशासन और आंदोलनकारियों के बीच रविवार को तनाव की स्थिति बन गई। आंदोलनकारियों ने प्रशासन पर बलपूर्वक कार्रवाई का आरोप लगाया है, जबकि प्रशासन का कहना है कि बिगड़ते स्वास्थ्य और खराब मौसम को देखते हुए आवश्यक कदम उठाए गए। आंदोलन के नेतृत्वकर्ता अमित भटनागर ने कहा कि मैं न तो ड्रिप लगवाऊंगा और न ही कुछ खाऊंगा। मेरा आमरण अनशन जारी रहेगा। यदि मुझे जबरन कुछ खिलाने या ड्रिप चढ़ाने की कोशिश की गई, तो मैं पानी पीना और सांस लेना भी छोड़ दूंगा। आंदोलनकारी दिव्या अहिरवार ने आरोप लगाया कि प्रशासन ने विस्थापितों की जान की परवाह किए बिना आंदोलनकारियों को बलपूर्वक हटाया। उनका कहना है कि आदिवासी महिलाएं अपने बच्चों के साथ नदी पार कर रही थीं और उसी दौरान प्रदर्शन भी कर रही थीं।

देशभर में फिर सक्रिय हुआ मानसून

यूपी-बिहार समेत कई राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

देश के अधिकांश हिस्सों में मानसून एक बार फिर सक्रिय होता नजर आ रहा है। पिछले कुछ दिनों तक कई राज्यों में कमजोर पड़ी बारिश अब दोबारा रफ्तार पकड़ रही है। भारतीय मौसम विभाग के अनुसार बंगाल की खाड़ी में बने निम्न दबाव क्षेत्र (लो प्रेशर सिस्टम) के कारण उत्तर, मध्य और पूर्वी भारत के बड़े हिस्से में अगले कुछ दिनों तक बारिश की गतिविधियां तेज रहेंगी। मौसम वैज्ञानिकों का अनुमान है कि उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल और पूर्वोत्तर राज्यों में लगातार बारिश का दौर जारी रहेगा। वहीं मध्य प्रदेश, राजस्थान और आसपास के इलाकों में भी आने वाले दिनों में अच्छी वर्षा की संभावना जताई गई है।

मौसम विभाग का कहना है कि फिलहाल देश के लगभग 50 से 60 प्रतिशत हिस्से पर बादलों का प्रभाव बना हुआ है। कई राज्यों में हल्की से मध्यम बारिश हो रही है, जबकि कुछ क्षेत्रों में भारी वर्षा दर्ज की जा रही है। अगले सात दिनों तक उत्तर प्रदेश और बिहार के कई जिलों में तेज बारिश की संभावना को देखते हुए अलर्ट जारी किया गया है।

अफेयर था उसका, रोकने पर पीटता, इसलिए वैन ड्राइवर से दोस्ती की

पति को सांप से डसवाने का गम नहीं

एजेंसी ▸▸ मेरठ

'मुझे पति की मौत का गम नहीं है। वो मर गया, ठीक हुआ। उसका दूसरी महिला से अफेयर था। टोकने पर मुझे पीटता था। कहता था कि घर में रहना है तो मेरे हिसाब से रहो, वरना मारकर भगा दूंगा। मैं कमाती थी तो पैसा वो रख लेता था। उससे तंग आ गई थी। इसलिए मैंने भी वैन ड्राइवर से दोस्ती कर ली।'

मेरठ में पति अतुल पवार (32) को सांप से डसवाने वाली पत्नी दामिनी (30) ने पुलिस पूछताछ में ये बातें कहीं। पत्नी को

सांप से क्यों डसवाया? इस पर उसने कहा- मेरठ की ही रविता ने पति को सांप से कटवाया था। वो मर गया। लोग उसे हादसा मानकर भूल गए। मैंने भी सोचा कि हम लोगों पर किसी को शक नहीं होगा। गूगल पर सबसे ज्यादा जहरीले सांप के बारे में सर्च किया। वहीं से करैत सांप का प्लान बनाया। 5 लाख रुपए में 2 सपेरों को तैयार किया और पति को सांप से डसवा दिया।

18 जुलाई को पुलिस ने दामिनी को कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया। पुलिस जांच कर रही है कि दामिनी जिस महिला से पति अतुल का अफेयर बता रही है, वो कौन है? पुलिस को यह भी पता चला है कि दामिनी और उसके बॉयफ्रेंड के बीच 2 हजार से ज्यादा बार फोन कॉल हुई थी। दामिनी के मोबाइल में दोनों की चैटिंग भी मिली है।

पारदर्शिता के नाम पर गढ़े गए इस संकल्प को सहूलियत के हिसाब से भुलाया

माननीयों की तिजोरी की 'पारदर्शिता' पर लगा ताला

कांग्रेस सरकार के संसदीय कार्यमंत्री डॉ. गोविंद सिंह का संकल्प विस की फाईलों में दफन हुआ

दैनिक अवन्तिका ▸▸ भोपाल

एक बार फिर से विधानसभा सत्र की शुरूआत हो गई है। विधानसभा के गलियारों में कांग्रेस सरकार के संसदीय कार्य मंत्री डा. गोविंद सिंह के ऐसे क्रांतिकारी संकल्प की चर्चा आम है जो विधानसभा की फाईलों में दफन कर दी गई है। दफन इस फाईल ने प्रदेश की शुचिता की राजनीति की दुहाई देने वालों के चेहरे बेनकाब किए हुए हैं।

सियासत में वादों और दावों की उम्र अक्सर बहुत छोटी होती है। जब बात जनता के हक की हो, तो नियम-कानूनों की लंबी-चौड़ी फेहरिस्त सामने होती है। मामला अगर सरकार के पक्ष और विपक्ष से संबंधित हो तो लोकतंत्र के मंदिर में अजीब सा सन्नाटा पसर जाता है। जिस पारदर्शिता के बाहर जमकर दावे किए जाते हैं उसी पारदर्शिता के मुद्दे को सीधे तौर पर यहां ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। मध्य प्रदेश में पंद्रह साल बाद 2018 में सत्ता

में लौटी कांग्रेस की कमान कमलनाथ के हाथों में थी। उस वक्त के तत्कालीन संसदीय कार्यमंत्री डॉ. गोविंद सिंह ने बड़े ही जोर-शोर से विधानसभा में एक बेहद क्रांतिकारी और सुहावना संकल्प प्रस्तुत किया था। इस संकल्प का लब्बोलुआब यह था कि प्रदेश के सभी विधायकों को हर साल 30 मार्च तक की स्थिति में अपनी और अपने आश्रितों यानी परिवार के सदस्यों की चल-अचल संपत्ति का पूरा कच्चा-चिट्ठा 30 जून से पहले विधानसभा के प्रमुख सचिव को सौंपना होगा। इस पूरी कवायद का असल मकसद राजनीति में सुचिता और पारदर्शिता लाना बताया गया था। योजना यह थी कि इस पूरे ब्यौरे को विधानसभा की आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड किया जाएगा। ऐसा इसलिए ताकि सूबे की भोली-भाली जनता यह लाइव देख सके कि जिन्हें उन्होंने अपना रहनुमा चुनकर भेजा है, वे जनसेवा के साथ-साथ अपनी कितनी 'आर्थिक तरक्की' कर रहे हैं।

सत्ता बदली,नहीं बदला संपत्ति छुपाने का मोह- कुछ समय के अंतराल में ही तख्तापलट हुआ। कांग्रेस की सरकार गिर गई और चाबी वापस भाजपा की कमर में । सरकारें बदली, मुख्यमंत्री बदले, नीतियां बदली, लेकिन संपत्ति छिपाने का मोह नहीं बदला। विधानसभा में पारित वह ऐतिहासिक संकल्प आज भी कागजों में पूरी तरह से जिंदा है, लेकिन उसे अमलीजामा पहनाने की इच्छाशक्ति सत्ता पक्ष और विपक्ष, दोनों के ही खेमों से रहस्यमयी तरीके से गायब हो चुकी है। आज भी वार्षिक ब्यूरों की जानकारी सामने नहीं आ पा रही है।

जादुई तरीके से बढती है संपत्ति- राजनीतिक जानकारों की मानें तो इस संकल्प के खामोशी से दफन हो जाने के पीछे की असली वजह ही माननीयों का वह डर है, जिसमें हर साल बढ़ने वाली करोड़ों की बेहिसाब संपत्ति पर सवाल उठने का खतरा मंडराता रहता है। चुनाव दर चुनाव विधायकों की संपत्ति में होने वाला भारी इजाफा किसी से छिपा नहीं है। कई ऐसे विधायक हैं जिनकी संपत्ति महज पांच साल के कार्यकाल में दोगुनी से तिगुनी हो जाती है। ऐसे में अगर हर साल संपत्ति का ब्यौरा वेबसाइट पर डाला जाने लगा, तो जनता, विपक्ष और मीडिया के तीखे सवालों का सामना करना पड़ेगा। कि आखिर जनसेवा के वेतन में ऐसी कौन सी जादुई छड़ी है जो रातों-रात संपत्तियां बढ़ा रही है ?

आमजन को एक क्लिक का इंतजार

शायद यही वजह है कि विधानसभा की वेबसाइट एकदम खामोश है और उसकी पारदर्शिता का वेब पेज पूरी तरह कोरा है। पारदर्शिता के नाम पर गढ़े गए इस संकल्प को सहूलियत के हिसाब से भुला दिया है। आम मतदाता आज भी इस इंतजार में है कि उनके जनसेवकों का सच्चा और पारदर्शी हिसाब उनकी आंखों के सामने एक क्लिक पर मिल सकेगा।

महाकाल श्रृंगार

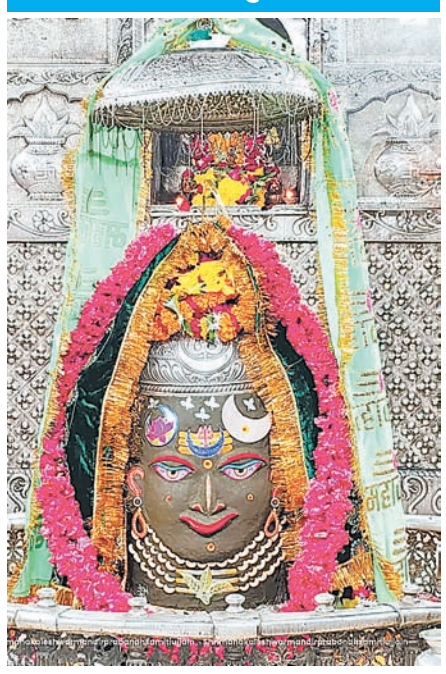

ज्योतिर्लिंग महाकालेश्वर का शनिवार को आकर्षक श्रृंगार किया गया।

गैंग की अजब गजब कार्रवाई

बात शुक्रवार रात की शहर के घंटाघर टावर की है। पूरे मामले को देखने वाले गैंग की कार्रवाई को गैंग की अजब गजब कार्रवाई बोलने से नहीं चुके हैं। हुआ यूं की रात 8 बजे के लगभग एक छोटे भारवाहक वाहन से दो व्यक्ति घंटाघर के उस क्षेत्र में पहुंचे जहां कारों की पार्किंग की जाती है। यहीं पर किलो से कपड़े बेचने के कारोबार की दुकान है। शहर की संस्था की सड़कों पर अस्थायी अतिक्रमण हटाने वाली गैंग सफेद वाहन से इस दौरान पूरी तरह से घंटाघर क्षेत्र में सक्रिय थी। वाहन वाले ने वाहन को कारों की पार्किंग के बीच ही वाहन लगाकर शटर खोला और 50 रूपए में चार दूध पीने के कप बेचने लगा। देखते ही देखते उनके वाहन पर लोगों की भीड़ उमड़ने लगी। करीब डेढ़ घंटे के समय में वाहन आधा खाली हो गया। करीब 9.15-9.30 के दरमियान एक दम से गैंग के ईमानदार और दबंग कर्मचारी पूरी कर्मनिष्ठा के साथ धडाधड आए और वाहन वाले को जमकर अपने सुसंस्कृत शब्दों से चमकाया। वाहन का शटर बंद करवाया और मग लेने के लिए खडे लोगों को भी हड़काया। इसके बाद वाहन वाले को मय वाहन के अपने साथ ले गए। मग लेने से वंचित रहे लोगों में इस पर खुसूर-फुसूर शुरू हो गई। इसमें कुछ ने कहा कि जब एक डेढ़ घंटे पहले वाहन वाला आकर इनके सामने ही खडा हुआ था तो फिर उसे तत्काल क्यों नहीं रोका गया। उसका धंधा सुचारू होने के बाद ही उसे रोका जाना जायज स्थिति में नहीं कहा जा सकता। इस समय के दौरान जब चौराहों के सिग्नल बंद हो जाते हैं ऐसे में एक तरफ खड़े कारोबारी को ही यातायात में बाधक बताकर क्यों रोका गया, जबकि घंटाघर के चारों और इस दौरान जाम के हाल बने हुए थे। फ्रीगंज शहीद पार्क जाने वाले मार्ग की रोटरी के पास सडक पर ही वाहन की पार्किंग की गई थी। सफेद वाहन वाली गैंग मग बेचने वाले एवं उसके वाहन को साथ लेकर गए उसके बाद कार्रवाई क्या की गई इसका कोई हिसाब किताब सामने नहीं है। गैंग के इस अजब गजब काम को लेकर लोगों ने उन शब्दों का भी उपयोग किया जो कि बगैर पुष्टि के उचित नहीं कहे जा सकते हैं, पर ये जरूर है कि पूरे मामले में इतनी रात को एक ही क्षेत्र में कुछ लोगों को छूट एवं एक को सुसंस्कृत शब्दों से हड़काना भेदभाव तो स्पष्ट करता ही है। गैंग की कार्रवाई सवालों के घेरे में तो कही ही जाएगी। यही नहीं उसके उद्देश्यों को भी सही नहीं कहा जा सकता है। स्मार्ट शहर के सीसीटीवी कैमरा पूरी हकीकत को समेटे बैठे हैं। आमजन के सवालों के घेरे में आए इस मुद्दे को लेकर स्मार्ट अफसरों को उन्हें देखने की कवायद करना चाहिए और अपने प्रशासन के निचले नुमाइंदों की हरकतों पर संज्ञान लेना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

- कालिदास कन्या महाविद्यालय में छात्राओं को प्राकृतिक सामग्री जैसे सूखे फूलों और पत्तियों से आकर्षक कार्ड बनाने का प्रशिक्षण दिया गया।
- कालिदास अकादमी के अभिरंग नाट्य गृह में जीवन संगीत संस्था की सुरीली शाम, वरिष्ठ रंगकर्मी नितिन सेठिया को मिला कला सम्मान
- एनसीसी कैडेट अंडर ऑफिसर सूर्यपाल सिंह राठौड़ का राष्ट्रीय स्तर के स्पोर्ट्स शूटिंग कॉम्पिटिशन के लिए मध्य प्रदेश-छत्तीसगढ़ टीम में चयन हुआ है।
- इंदौर में गूंजा उज्जैन का नासिक ढोल, 'चैतन्य भैरव नारी शक्ति झांझ मंडली उज्जैन' ने अपने शानदार संयुक्त प्रदर्शन से सभी का मन मोह लिया।
- उज्जैन से देवास की 45 किमी दूरी 2 घंटे 45 मिनट में की तय, अवंतिका रेसलिंग सेंटर के अरहान टाइगर और राजीक ने सुबह 5 बजे लाल गेट से शुरू की थी दौड़
- मृत गौमाता को वैदिक मंत्रोच्चार, पूजन-अर्चन और धार्मिक विधि-विधान के साथ गौमाता को भू-समाधि दी गई
- श्री सिंथेटिक्स कर्मचारी कांग्रेस की ग्रामीण कर्मचारियों के साथ बैठक, 21 जुलाई को प्रधानमंत्री के नाम सौंपा जाएगा ज्ञापन
- दाऊदी बोहरा समाज के 53वें धर्मगुरु डॉ. सैयदना आलीकदर मुफद्दल सैफुद्दीन साहब की मंशा के अनुरूप निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर
- सम्राट हर्षवर्धन सिंह बैस की जयंती पर आज निकलेगी क्षत्रिय गौरव शौर्य यात्रा, सामाजिक न्याय परिसर से शुरू होकर प्रमुख मार्गों से गुजरेगी यात्रा
- अष्टान्हिका महापर्व पर 20 जुलाई से होगा 10 दिवसीय समोशरण मंडल विधान, आज निजातपुरा से निकलेगा चल समारोह
- रथ यात्रा को जन-जन तक पहुंचाने वाले डिजिटल क्रिएटर्स का इस्कॉन ने किया सम्मान, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स को मिला डिजिटल रथ यात्रा एंबेसडर अवॉर्ड
- बच्चों ने लिया एक बच्चा-एक पौधा लगाने का संकल्प, आनंद ग्राम में मनाया हरियाली महोत्सव, पूरे सावन माह चलेंगी गतिविधियां
- वडोदरा, गुजरात में आयोजित इंटरनेशनल क्लासिकल फीडे रेटेड चेस टूर्नामेंट में उज्जैन की चार्वी मेहता ने महिला वर्ग में द्वितीय स्थान प्राप्त कर रजत पदक प्राप्त किया।

उज्जैन संभाग के 4 थे जिले में विकास प्राधिकरण के गठन की प्रशासनिक तैयारी तेज

मंदसौर में भी विकास प्राधिकरण के गठन की कवायद तेज

उज्जैन, देवास, रतलाम में पूर्व से ही विकास प्राधिकरण, अब मंदसौर में कलेक्टर ने शासन को प्रस्ताव भेजा

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

उज्जैन संभाग के 4 थे जिले में विकास प्राधिकरण के गठन की प्रशासनिक तैयारी तेज हो गई है। मंदसौर कलेक्टर ने प्राधिकरण के गठन का प्रस्ताव शासन को भेजा है। संभाग के उज्जैन, देवास, रतलाम जिला मुख्यालयों पर पूर्व से ही विकास प्राधिकरण काम कर रहा है। अब मंदसौर में इसकी कवायद तेज हो गई है। इसके गठन से शहर के चहुंमुखी विकास के मार्ग खुलेंगे।

मंदसौर शहर क्षेत्र के चहूंमुखी विकास को नवीन आयाम देने के लिए जिला प्रशासन द्वारा मंदसौर विकास प्राधिकरण के गठन का प्रस्ताव शासन को प्रेषित किया गया है। प्राधिकरण के गठन से शहर के मास्टर प्लान तथा विकास योजनाओं को और नए सिरे से गतिमान किया जा सकेगा।

1977 से विकास की ट्रेक पर संभाग

उज्जैन संभाग में 1977 से विकास प्राधिकरण की शुरूआत हुई। उज्जैन को संभाग का दर्जा मिलने के साथ ही विकास प्राधिकरण का गठन किया गया था। इसके पहले प्रशासनिक अध्यक्ष संतोष कुमार शर्मा थे जो कि प्रथम संभागायुक्त भी थे। इसके उपरांत देवास विकास प्राधिकरण का गठन मध्यप्रदेश शासन द्वारा मध्यप्रदेश नगर तथा ग्राम निवेश अधिनियम 1973 की धारा 38 की उप धारा(1) अनुसार 19 नवम्बर 1979 को अधिसूचना द्वारा किया गया हैं जिसका प्रकाशन म.प्र. राजपत्र में दिनांक 30 नवम्बर 1979 को किया गया। संभाग में रतलाम जिला मुख्यालय पर सबसे अंत में 2010 में विकास प्राधिकरण का गठन किया गया था। उसके पश्चात पिछले 16 सालों में संभाग के मंदसौर, नीमच, शाजापुर एवं आगर जिलों के विकास को लेकर इस प्रकार की संस्था के गठन की कोई कवायद सामने नहीं आई । हाल ही में मंदसौर कलेक्टर ने इसका प्रस्ताव शासन को भेजा है।

कलेक्टर श्रीमती अदिति गर्ग ने बताया कि विकास प्राधिकरण जैसी वैधानिक संस्थाओं के गठन से शहर या क्षेत्र के नियोजित विकास, आधारभूत संरचनाओं के निर्माण जैसे महत्वपूर्ण कार्य संपादित किए जाते हैं। प्राधिकरण के गठन से शहरी क्षेत्र में भूमि के वाणिज्यिक एवं व्यावसायिक उपयोग को नई दिशा मिल सकेगी। नई आवासीय एवं वाणिज्य योजनाओं का विकास, सड़क, पार्क, जल निकासी, सार्वजनिक सुविधाओं आदि का निर्माण व्यापक स्तर पर होगा। इसके अलावा अनाधिकृत विकास एवं अवैध कॉलोनियों पर नियंत्रण रहेगा। भूमि विकास तथा नगरीय विस्तार का नियमन होगा। प्राधिकरण द्वारा विभिन्न विकास परियोजनाओं के लिए भूमि का प्रबंधन एवं अधिग्रहण भविष्य में हो सकेगा, जिससे नियोजित विकास द्वारा उद्योग व्यापार एवं निजी निवेश आकर्षित होते हैं रोजगार के अवसरों में बढ़ोतरी के साथ-साथ भविष्य की शहरी आबादी एवं आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर योजनाएं बनाई जा सकेंगी।

प्रशासन द्वारा मंदसौर विकास प्राधिकरण के गठन के संबंध में प्रेषित प्रस्ताव में आवश्यक जानकारियां समाहित की गई है। जिसमें मंदसौर का भौगोलिक परिदृश्य निवेश क्षेत्र सहित कृषि व्यापार, यातायात, आवागमन तथा अन्य बिंदुओं पर आवश्यक जानकारी सम्मिलित है।

ज्योतिर्लिंग महाकाल मंदिर में दान प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी करनेकी दिशा में

अब कैरेट मीटर से दानदाता के सामने होगी सोने-चांदी की शुद्धता की जांच

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

विश्व प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग महाकाल मंदिर में दान प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और विश्वसनीय बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। अब मंदिर में दान स्वरूप प्राप्त होने वाले सोने और चांदी के आभूषणों की शुद्धता कैरेटमीटर मशीन से जांची जाएगी। खास बात यह है कि दानदाता की मौजूदगी में ही धातु की शुद्धता की जांच होगी, जिससे दान प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी रहेगी।

मंदिर समिति के अनुसार कैरेटमीटर मशीन एक-दो दिन में मंदिर में स्थापित कर दी जाएगी। इसके बाद दान काउंटर पर प्राप्त होने वाले सोने-चांदी के आभूषणों की तत्काल जांच कर उनकी शुद्धता का निर्धारण किया जाएगा। अभी तक मंदिर में दान के रूप में प्राप्त आभूषणों के बारे में प्रथम दृष्टया सोने जैसा या चांदी जैसा लिखकर दर्ज किया जाता था। शुद्धता की तत्काल वैज्ञानिक जांच की व्यवस्था नहीं होने से वास्तविक गुणवत्ता का पता बाद में चलता था। नई मशीन लगने के बाद यह प्रक्रिया अधिक सटीक और प्रमाणिक हो जाएगी। मंदिर समिति ने यह निर्णय देश के कई प्रमुख मंदिरों में दान के नाम पर नकली या कम शुद्धता वाले सोने-चांदी के आभूषण मिलने के मामलों को देखते हुए लिया है। समिति का मानना है कि कैरेटमीटर मशीन से जांच होने पर दानदाता का विश्वास और मजबूत होगा तथा मंदिर में दान प्राप्ति की प्रक्रिया भी पारदर्शी तथा प्रामाणिक बनी रहेगी।

वर्तमान में यह व्यवस्था

महाकाल मंदिर में वर्तमान में दान में प्राप्त सोने-चांदी की वस्तुओं को सोने जैसी, चांदी जैसी लिखकर कोठार में जमा कर लिया जाता है। बाद में स्वर्णकार से इसका परीक्षण कराया जाता है। कई बार कीमती धातु खोटी तथा कम शुद्धता की निकल जाती है। काफी दिन बीत जाने से समिति दानदाता को इससे अवगत भी नहीं करा पाती है। प्रक्रिया पारदर्शी नहीं होने के कारण अविश्वास भी पनपता है।

वातानुकूलित कक्ष में होगा स्थापना

कंपनी ने कैरेटमीटर मशीन मंदिर कार्यालय के सुपुर्द कर दी है। एक दो दिन में कोठार शाखा में इसका स्थापन कराया जाएगा। इस मशीन को चौबीस घंटे वतानुकूलित कक्ष में रखना अनिवार्य है, इसलिए कोठार में छोटा कमरा तैयार कराया जा रहा है।

एक्स-रे की तरह काम करती है मशीन

कैरेटमीटर मशीन एक्स-रे बीम का उपयोग करती है। यह बीम जब धातु पर पड़ते हैं, तो धातु के परमाणु उत्तेजित हो जाते हैं और ऊर्जा छोड़ते हैं। जिससे मशीन कुछ ही सेकंड में सोने, चांदी की वास्तविक शुद्धता बता देते हैं। धातु परीक्षण अधिकतम तीस सेकंड में हो जाता है। टेस्टिंग के दौरान आभूषण को किसी प्रकार का कोई नुकसान भी नहीं होता है।

पारदर्शिता के लिए उठाया कदम

महाकाल मंदिर में दान में प्राप्त सोने-चांदी की वस्तुओं की शुद्धता जांच के साथ दान की प्रक्रिया को पारदर्शी तथा विश्वसनीय बनाए रखने के लिए कैरेटमीटर मशीन के उपयोग का निर्णय लिया गया है। कंपनी से मशीन मंदिर को प्राप्त हो चुकी है। एक दो दिन में इसे स्थापित कर दिया जाएगा।

-सिम्मी यादव, डिप्टी कलेक्टर व उप प्रशासक महाकाल मंदिर समिति, उज्जैन

स्वास्थ्य कार्यक्रमों के शतप्रतिशत क्रियान्वयन हेतु संयुक्त बैठक आयोजित

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग तथा महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला स्तरीय संयुक्त बैठक शनिवार को कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला उज्जैन में आयोजित की गई।

बैठक की अध्यक्षता मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक कुमार पटेल ने की। इस अवसर पर जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग बृजेश त्रिपाठी, जिला स्वास्थ्य अधिकारी-02 डॉ. मंजूषा पिप्पल, जिला स्वास्थ्य एवं महामारी नियंत्रण अधिकारी डॉ. सुनीता परमार, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. रविंद्र कुमार पाल सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

बैठक में परिवार कल्याण कार्यक्रम के अंतर्गत परिवार नियोजन के स्थाई एवं अस्थाई साधनों की शतप्रतिशत उपलब्धता सुनिश्चित करते हुए निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति, नियमित टीकाकरण के अंतर्गत शतप्रतिशत टीकाकरण पूर्ण करने, एफ.आई.सी. शतप्रतिशत रखने एवं टीकाकरण सेवाओं को युचिन पोर्टल पर दर्ज करने के निर्देश दिए गए। युचिन एवं एच.एम.आई.एस. रिपोर्ट में किसी भी प्रकार की भिन्नता न होने का विशेष ध्यान रखने को कहा गया। जिन क्षेत्रों में ए.एन.एम. पदस्थ नहीं है, वहाँ टीम वर्क अथवा सी.एच.ओ. के माध्यम से कार्य पूर्ण करवाने तथा सभी कार्यक्रमों एवं योजनाओं की मैदानी स्तर पर प्रभावी मॉनीटरिंग कर आवश्यक सुधारात्मक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

70 स्कूलों में शुरू होंगी ईसीसीई कक्षाएं

अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

जिले में पूर्व बाल्यावस्था परिचर्या एवं शिक्षा (ईसीसीई) को प्रभावी बनाने के लिए शासकीय जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) में गुरुवार से तीन दिवसीय प्रशिक्षण शुरू हुआ। प्रशिक्षण में जिले के सभी विकासखंडों से आए 60 प्राथमिक शिक्षक भाग ले रहे हैं। प्रशिक्षण का उद्देश्य 2.5 से 6 वर्ष तक के बच्चों के लिए शुरू की जा रही नई कक्षाओं को गुणवत्तापूर्ण और गतिविधि आधारित शिक्षा से जोड?ा है।

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट), उज्जैन में नवीन शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए पूर्व बाल्यावस्था परिचर्या एवं शिक्षा (ईसीसीई) का तीन दिवसीय प्रशिक्षण गुरुवार से प्रारंभ हुआ। संस्थान के प्रभारी प्राचार्य किशोर कुमार चंदन ने दीप प्रज्वलित कर प्रशिक्षण का शुभारंभ किया। वरिष्ठ सहायक प्राध्यापक डॉ. मनीषा टंडन ने कहा कि छोटे बच्चे ही भविष्य के समाज की मजबूत नींव हैं। प्रशिक्षण तभी सार्थक होगा, जब शिक्षक प्रारंभिक बाल्यावस्था के बच्चों के समग्र विकास पर विशेष ध्यान देंगे। उन्होंने कहा कि शासन शिक्षा के स्तर को बेहतर बनाने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है और दूर-दराज तथा आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों के लिए शासकीय विद्यालय आज भी सबसे बड़ी उम्मीद हैं। प्रशिक्षण में बताया गया कि जिले के 70 शासकीय विद्यालयों में ढाई से छह वर्ष तक के बच्चों के लिए अरुण, उदय और प्रभात नाम से विशेष कक्षाएं संचालित की जाएंगी।

पहले दिन राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर दिनेश पांडे ने भाषा एवं संज्ञानात्मक विकास तथा गतिविधि आधारित शिक्षण की विभिन्न विधियों की जानकारी दी। वहीं साक्षरता समन्वयक कमलेश शर्मा ने शिक्षकों को बच्चों के लिए रोचक और आकर्षक शिक्षण गतिविधियों का अभ्यास कराया। प्रभारी प्राचार्य ने प्रशिक्षण के उद्देश्य, महत्व और विद्यालयों में उसके प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर देते हुए कहा कि शिक्षक प्रशिक्षण से मिली सीख को कक्षा में लागू करें, ताकि शिक्षा की गुणवत्ता में वास्तविक सुधार हो सके।

दिग्विजय ने छोड़ा एक्स, पर्सनल मोबाइल भी स्टाफ को दिया

20 अक्टूबर से निकालेंगे उज्जैन से अयोध्या की यात्रा

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

कांग्रेस के सीनियर लीडर और पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने अपना अधिकारिक एक्स (पहले ट्विटर) अकाउंट छोड़कर ऑफिस स्टाफ के हवाले कर दिया है। यही नहीं उन्होंने अपना पर्सनल मोबाइल भी अपने सेक्रेटरी सचिन वत्स को सौंप दिया।

दिग्विजय सिंह का एक्स हैंडल पहले दिग्गीजया-28 के नाम से था अब यह ऑफिस ओएफडीवीएस यानी ऑफिस ऑफ दिग्विजय सिंह के नाम में बदल दिया गया है। दिग्विजय सिंह ने अपना पर्सनल मोबाइल नंबर भी अपने सेक्रेटरी को दे दिया है। दिग्विजय सिंह ने फेसबुक पर इसकी जानकारी देते हुए लिखा है- आज से मैं अपना मोबाइल नंबर उपयोग नहीं करूंगा। यह नंबर अब मेरे सचिव सचिन वत्स द्वारा उपयोग किया जाएगा। इस नंबर पर प्राप्त आपके महत्वपूर्ण संदेशों एवं जानकारियों से वे मुझे अवगत कराते रहेंगे। आपके सहयोग और विश्वास के लिए धन्यवाद।

सोशल मीडिया यूज न करने का किया है ऐलान

पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह अयोध्या के श्री रामजन्मभूमि मंदिर में हुई चढ़ावा चोरी की घटना को लेकर उज्जैन से अयोध्या तक पदयात्रा करने जा रहे हैं। 20 अक्टूबर से यह यात्रा शुरू होगी। इस यात्रा में दिग्विजय सिंह ने सोशल मीडिया का प्रयोग न करने का भी ऐलान किया है।

शुरूआत में दिग्विजय सिंह ने भोपाल में घोषणा की थी कि वह 2 अक्टूबर (गांधी जयंती) से उज्जैन के महाकाल मंदिर से अयोध्या तक की 1,000 किलोमीटर की पदयात्रा शुरू करेंगे। हालांकि, बाद में अपनी योजनाओं में संशोधन करते हुए उन्होंने इसे दशहरे (विजयदशमी) के पावन अवसर से शुरू करने का निर्णय लिया। वर्ष 2026 में दशहरा 20 अक्टूबर को पड़ रहा है, इसलिए यह यात्रा 20 अक्टूबर से शुरू होगी।

यह यात्रा किसी राजनीतिक दल के बैनर तले नहीं होगी

दिग्विजय सिंह ने कहा, मैं 80 साल का हो गया हूं। पार्टी ने मुझे 5 बार विधायक बनाया, दो बार लोकसभा और दो बार राज्यसभा भेजा। अब मैंने पार्टी से कह दिया है कि मेरी जगह किसी और को मौका दें। अब मैं सिर्फ धर्म की रक्षा के लिए काम करूंगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि उज्जैन से अयोध्या की यह यात्रा किसी राजनीतिक दल के बैनर तले नहीं होगी। यात्रा के दौरान वे न तो कोई राजनीतिक बयान देंगे और न ही अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स (फेसबुक, एक्स) पर कोई राजनीतिक प्रतिक्रिया पोस्ट करेंगे। दिग्विजय सिंह ने बताया था कि वे इस यात्रा में किसी बड़े राजनीतिक नेता को आमंत्रित नहीं कर रहे हैं।

मप्र राज्य अनुसूचित जनजाति आयोग के सदस्य मंगल सिंह धुर्वे ने की जिला स्तरीय समीक्षा बैठक

अजा एवं जनजाति हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

मध्यप्रदेश राज्य अनुसूचित जनजाति आयोग के सदस्य मंगल सिंह धुर्वे की अध्यक्षता में जिला पंचायत सभागार में आज जिला स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के हितग्राहियों के लिए संचालित शासकीय योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई।

बैठक में धुर्वे ने अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के पात्र हितग्राहियों को शासन की योजनाओं का लाभ पारदर्शी, समयबद्ध एवं प्रभावी ढंग से उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसी भी पात्र हितग्राही को योजनाओं के लाभ से वंचित नहीं रखा जाना चाहिए तथा सभी विभाग समन्वय के साथ कार्य करते हुए शासन की मंशा के अनुरूप सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण सुनिश्चित करें। समीक्षा के दौरान अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग से संबंधित लंबित प्रकरणों की भी विस्तार से समीक्षा की गई। धुर्वे ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी प्रकरणों का त्वरित, गुणवत्तापूर्ण एवं संवेदनशीलता के साथ निराकरण किया जाए। बैठक में अनुसूचित जाति पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना की जानकारी देते हुए बताया गया कि वर्ष 2025-26 में अनुसूचित जाति वर्ग के महाविद्यालयीन विद्यार्थियों के 8,013 आवेदन स्वीकृत किए गए हैं तथा 95.87 प्रतिशत छात्रवृत्ति का भुगतान किया जा चुका है। साथ ही यह भी बताया गया कि जिन अनुसूचित जाति के छात्र-छात्राओं को छात्रावास उपलब्ध नहीं हो पाता, उन्हें उच्च शिक्षा जारी रखने के लिए आवास सहायता प्रदान की जाती है।

- बैठक में वनाधिकार अधिनियम-2006 के अंतर्गत प्राप्त 131 प्रकरणों की जानकारी दी गई, जिनमें से 4 वनाधिकार पट्टों को जिला स्तरीय वनाधिकार समिति द्वारा स्वीकृति प्रदान की गई है। इसके अलावा अत्याचार से पीड़ित अनुसूचित जाति एवं जनजाति के व्यक्तियों के लिए संचालित राहत योजना, भगवान बिरसा मुंडा स्वरोजगार योजना तथा टंट्या मामा आर्थिक कल्याण योजना की प्रगति से अवगत कराया गया।
- अधिकारियों ने बताया कि निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप प्रकरण स्वीकृत कर हितग्राहियों को लाभ वितरित किया जा चुका है। श्री धुर्वे ने निर्देश दिए कि जनपद स्तर पर अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग से संबंधित सभी प्रकरणों पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क, पेयजल एवं विद्युत जैसी मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए तथा जल जीवन मिशन के अंतर्गत प्रत्येक घर तक नल से जल पहुंचाने में किसी प्रकार की बाधा आने पर उसका त्वरित निराकरण किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि ग्रामीण क्षेत्रों में पात्र नागरिकों के आयुष्मान कार्ड, संबल कार्ड सहित अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं का अधिकाधिक लाभ दिलाने के लिए व्यापक जागरूकता अभियान चलाया जाए। साथ ही अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के पात्र व्यक्तियों के जाति प्रमाण-पत्र समय पर एवं बिना किसी अनावश्यक परेशानी के बनाए जाना सुनिश्चित किया जाए।बैठक में विभिन्न विभागों द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति प्रस्तुत करते हुए उनके प्रभावी क्रियान्वयन पर भी विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में एडीएम राजस्व अधिकारियों सहित संबंधित विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहे।

दैनिक अवन्तिका

सब पे नज़र, सबकी ख़बर

इंदौर | उज्जैन | सोमवार 20 जुलाई, 2026 | www.awantika.com

न्यूज ब्रीफ

सांसद लालवानी राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा बोर्ड के सदस्य मनोनीत

इंदौर। सांसद शंकर लालवानी को राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा बोर्ड का सदस्य मनोनीत किया गया है। सामाजिक सुरक्षा संहिता-2020 के अंतर्गत गठित यह केंद्र सरकार का एक महत्वपूर्ण वैधानिक बोर्ड है, जिसकी अध्यक्षता केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री तथा उपाध्यक्ष भारत सरकार के श्रम एवं रोजगार सचिव करते हैं। राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा बोर्ड देश के करोड़ों असंगठित श्रमिकों, गिग एवं प्लेटफॉर्म कर्मियों तथा स्वरोजगार से जुड़े नागरिकों की सामाजिक सुरक्षा, पेंशन, बीमा, स्वास्थ्य सुरक्षा, श्रमिक कल्याण एवं अन्य नीतिगत विषयों पर केंद्र सरकार को महत्वपूर्ण सुझाव प्रदान करता है। देश की कार्यशील आबादी का बड़ा हिस्सा असंगठित क्षेत्र से जुड़ा होने के कारण यह बोर्ड नीति निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

इंदौर जिले में सड़क सुरक्षा अभियान जारी, 11 लाख का जुर्माना वसूला

इंदौर। कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देश एवं क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी श्री प्रदीप शर्मा के मार्गदर्शन में इंदौर जिले में सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के प्रभावी पालन के लिए लगातार सघन अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में संभागीय परिवहन सड़क सुरक्षा दस्ता द्वारा लोक परिवहन वाहनों, स्कूल एवं कॉलेज वाहनों तथा मालवाहक वाहनों की नियमित जांच की जा रही है। शुक्रवार को सड़क सुरक्षा दस्ता द्वारा राऊ चौराहा एवं बायपास क्षेत्र में विशेष चेकिंग अभियान चलाकर लोक परिवहन एवं मालवाहक वाहनों का निरीक्षण किया गया। अभियान के दौरान वाहनों के आवश्यक दस्तावेज, परमिट की शर्तों का पालन, निर्धारित क्षमता से अधिक सवारी, वाहन की गति, स्पीड गवर्नर सहित अन्य सुरक्षा मानकों की गहन जांच की गई। इसके साथ ही बसों में ओवरलोडिंग, यात्रियों से निर्धारित दर से अधिक किराया वसूले जाने जैसी शिकायतों की भी जांच की गई।

80 करोड़ रुपये मूल्य की शासकीय भूमि अतिक्रमण मुक्त

इंदौर। कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देशन में जिला प्रशासन द्वारा शासकीय भूमि पर किए गए अवैध अतिक्रमण के विरुद्ध लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में तहसील जूनी इंदौर अंतर्गत ग्राम खजराना स्थित शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने की बड़ी कार्रवाई की गई। अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) जूनी इंदौर श्री घनश्याम धनगर के नेतृत्व में राजस्व विभाग की टीम ने नगर निगम इंदौर तथा पुलिस विभाग के सहयोग से संयुक्त अभियान चलाया। अभियान के दौरान ग्राम खजराना की शासकीय भूमि पर किए गए अवैध अतिक्रमण को हटाते हुए वहां निर्मित 7 दुकानें, 2 मकान, झोपड़ियां एवं अस्थायी टीन शेड को हटाया गया। तहसीलदार राकेश सस्तिया ने बताया कि इस कार्रवाई से लगभग 80 करोड़ रुपये मूल्य की बहुमूल्य शासकीय भूमि अतिक्रमण से मुक्त कराई गई।

नवाचार और जनभागीदारी से इंदौर बना आदर्श मॉडल

इंदौर। संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर स्वच्छ भारत मिशन को लेकर इंदौर संभाग में लगातार नवाचार हो रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में स्वच्छता संबंधी जनजागरूकता के कार्यक्रम किये जा रहे हैं। नागरिकों में साफ-सफाई के प्रति चेतना जागी है। अब संभाग में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन पर भी तेजी से काम हो रहा है। संभागायुक्त डॉ. खाड़े आज एक निजी होटल में आयोजित ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 के संबंध में सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशन में परिपालन इंदौर संभाग के नगरीय निकायों के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं अन्य जनप्रतिनिधियों की कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। कार्यशाला में महापौर पुष्यमित्र भार्गव, बुरहानपुर महापौर मालती पटेल, नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के संयुक्त संचालक सूर्यकुमार सिन्हा, राजस्थान के ब्राण्ड एम्बेसेडर के.के. गुप्ता, देपालपुर नगर परिषद के अध्यक्ष प्रतिनिधि महेश गिरी एवं इंदौर संभाग के सभी नगर परिषद, नगर पालिका के जनप्रतिनिधि एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। कार्यशाला में संभागायुक्त डॉ. खाड़े ने कहा कि किसी भी शहर की सफाई व्यवस्था में स्वच्छता कर्मियों का परिश्रम और नागरिकों की सहभागिता जरूरी है। साथ ही अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों की पारदर्शिता, गुणवत्तापूर्ण कार्य और समयबद्ध नियोजन भी आवश्यक है।

इंदौर जिले में खरीफ फसलों की स्थिति बेहतर

इंदौर। जिले में खरीफ सीजन के दौरान कुल 2,52,150 हेक्टेयर क्षेत्र में फसलों की बोनी की गई है। इसमें सर्वाधिक 2,33,700 हेक्टेयर यानि लगभग 93 प्रतिशत क्षेत्र में सोयाबीन की खेती की गई है। वर्तमान में जिले की खरीफ फसलों की स्थिति संतोषजनक एवं अच्छी है। किसान फसलों में खरपतवार नियंत्रण तथा नमी संरक्षण के लिए डोरा चलाने एवं अन्य अंतरवर्ती कृषि कार्य कर रहे हैं। जिले में इस वर्ष 17 जुलाई 2026 तक 13.9 इंच वर्षा दर्ज की गई है, जबकि गत वर्ष इसी अवधि तक केवल 7.2 इंच औसत वर्षा हुई थी। इस प्रकार पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष लगभग दोगुनी वर्षा होने से खरीफ फसलों को पर्याप्त लाभ मिला है। उप संचालक कृषि ने बताया कि कृषकों को ई-विकास प्रणाली के माध्यम से उर्वरकों का वितरण निरंतर किया जा रहा है।

कायाकल्प अवार्ड : इंदौर जिले की 10 स्वास्थ्य संस्थाएं सम्मानित

इंदौर। राष्ट्रीय गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम के अंतर्गत प्रदान किए जाने वाले कायाकल्प अवार्ड में इंदौर जिले की 10 स्वास्थ्य संस्थाओं को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए पुरस्कृत किया गया है। इन संस्थाओं ने स्वच्छता, संक्रमण नियंत्रण, जैव-चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन, गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं तथा मरीजों की संतुष्टि जैसे मानकों पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए यह उपलब्धि हासिल की है। कार्यक्रम का उद्देश्य सरकारी स्वास्थ्य संस्थाओं में स्वच्छ, सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ावा देना तथा बेहतर उपचार वातावरण उपलब्ध कराना है। इसके अंतर्गत अस्पतालों का मूल्यांकन अस्पताल की साफ-सफाई, रखरखाव, संक्रमण नियंत्रण, जैव-चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन, मरीजों की संतुष्टि, सकारात्मक वातावरण, पर्यावरण अनुकूल सुविधाएं तथा वॉश सहित निर्धारित नौ प्रमुख मानदंडों के आधार पर किया जाता है।

संभागीय मुख्यालय पर थोक औषधि विक्रेताओं तक दायरे को बढाया गया

नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान में ड्रग निरीक्षक भी उतरे मैदान में

नारकोटिक्स एवं कोडिंग ड्रग पर अंकुश के लिए जिलों में मेडिकल स्टोर्स की सघन जांच तेज हुई

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

नशे से दूरी है जरूरी 2.0अभियान में औषधि विभाग भी मैदान में उतर आया है। इसके चलते अब नशेडियों द्वारा उपयोग ली जाने वाली औषधियों के फिजूल विक्रय पर रोक लगाने की तैयारी हो गई है। संभागीय मुख्यालय उज्जैन में मेडिकल स्टोर्स से लेकर अब थोक विक्रेताओं को दायरे में लिया गया है। रतलाम,मंदसौर सहित संभाग के सभी जिलों में मेडिकल स्टोर पर कार्रवाई का दौर शुरू हो चुका है।

उज्जैन कलेक्टर रोशनकुमारसिंह के निर्देश पर जिले में औषधि निरीक्षकों ने नशे के विरूद्ध कार्रवाईयों को तेज कर दिया है। अभियान के तहत नारकोटिक्स औषधियों एवं कोडिन युक्त कफ सिरप सहित अन्य दवाओं के हिसाब किताब को दायरे में लिया गया है। इसके तहत थोक विक्रेताओं को भी सूचना जारी की गई है।

जिले में नार्कोटिक्स श्रेणी की औषधियों के दुरूपयोग की सम्भावना के चलते ठफ७ औषधियों का क्रय-विक्रय सम्पूर्ण नियमों का पालन करते हुए औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम 1940, नियमावली 1945 के तहत ही किए जाने के लिए निर्देशित किया गया है। निरीक्षक धर्मेन्द्रसिंह कुशवाह के अनुसार औषधि विक्रेताओं के साथ केमिष्ट एवं ड्रगिस्ट एसोसिएशन जिला उज्जैन को पत्र जारी किया गया है। औषधियों के दुरूपयोग की सम्भावना को दृष्टिगत रखते हुए थोक विक्रेताओं से 01 अप्रैल 2026 से वर्तमान तक की समस्त नार्कोटिक्स श्रेणी की औषधियों के क्रय-विक्रय की जानकारी 05 दिवस में मांगी गई है। जानकारी नहीं देने और छिपाने की दशा में कार्रवाई की हिदायत दी गई है। इसके साथ ही यदि किसी रिटेल औषधि विक्रेता द्वारा नार्कोटिक्स श्रेणी के साथ ही ऐसी औषधियों का जिले अथवा राज्य के बाहर से क्रय किया गया हो तो वह जानकारी भी मांगी गई है।

इन औषधियों के दुरूपयोग की संभावना

जारी पत्र में औषधियों के उल्लेख के साथ उनके दुरूपयोग की संभावना जताई गई है। इसमें ठफ७ शेड्यूल एच-1 के अंतर्गत आने वाली औषधियाँ जैसे अल्प्राजोलम, डायजेपाम, नाइट्राजिपम , क्लोनाजिपाम, कोडिन युक्त ट्रामाडोल , मेडाजोलम ,पेन्टाजोशिन , जोलपीडेम , क्लोबाजाम , लोराजेपाम, Phenobarbitione, Pheniramine Maleate Inj. Avil Injection (Human and Veterinary both), Chlordizepoxide, Escitalopram, Buprenorphene, MTP Kit (Mifepristone and Misoprostol tablets), Spirit आदि औषधि बताई गई हैं।

रतलाम में अभिलेखों की जांच,नोटिस- रतलाम में कलेक्टर मिशा सिंह के निर्देशन में शहर के मेडिकल स्टोरों का निरीक्षण कर नारकोटिक्स औषधियों एवं कोडीन युक्त कफ सिरप के स्टॉक तथा क्रय-विक्रय अभिलेखों की जांच की गई।

अभिलेखों का परीक्षण किया गया

औषधि निरीक्षक अजय कुमार मीणा ने बताया कि नाहरपुरा स्थित शहनाज मेडिकल, शास्त्री नगर स्थित न्यू नेशनल मेडिकल तथा रतलाम हॉस्पिटल परिसर स्थित रतलाम केमिस्ट का निरीक्षण किया गया। इस दौरान टॉसेक्स सिरप, एलप्रेक्स टैबलेट एवं ट्रामाडोल इंजेक्शन सहित नारकोटिक्स श्रेणी की औषधियों की उपलब्धता तथा उनके क्रय-विक्रय संबंधी अभिलेखों का परीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान शहनाज मेडिकल एवं न्यू नेशनल मेडिकल द्वारा मौके पर क्रय-विक्रय संबंधी अभिलेख प्रस्तुत नहीं किए जा सके। दोनों प्रतिष्ठानों को दो दिवस के भीतर समस्त नारकोटिक्स औषधियों के क्रय-विक्रय अभिलेख प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। निर्धारित अवधि में अभिलेख प्रस्तुत नहीं करने पर संबंधित मेडिकल स्टोरों को कारण बताओ सूचना पत्र जारी करते हुए उनके लाइसेंस के निलंबन अथवा निरस्तीकरण की कार्रवाई की जाएगी।रतलाम केमिस्ट द्वारा निरीक्षण के दौरान सभी आवश्यक अभिलेख मौके पर ही प्रस्तुत कर दिए गए।

महंगाई का मीठा झटका!

उज्जैन में 10 किलो शक्कर पर 80 रुपये का खर्च बढ़ा

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

उज्जैन संभाग में मौसम की बेरुखी और अल नीनो के असर की आशंका के बीच मीठी शक्कर के भाव कड़वे हो गए हैं। बीते एक महीने में शक्कर की खुदरा कीमतों में 8 रुपये प्रति किलो की तेज बढ़ोतरी दर्ज की गई है। शनिवार को बाजार में शक्कर 51 रुपये प्रति किलो के भाव पर बिकती रही।

इस सीजन में कमजोर मानसून के कारण महाराष्ट्र की प्रमुख चीनी मिलों से शक्कर की आपूर्ति प्रभावित हुई है। आपूर्ति घटने के साथ ही बाजार में बड़े स्टॉकहोल्डर्स (जमाखोरों) की खरीद बढ़ गई है। इसका असर कीमतों पर साफ दिखाई दे रहा है। थोक बाजार में जो शक्कर पहले 4,200 से 4,250 रुपये प्रति क्विंटल बिक रही थी, वह एक महीने में बढ़कर करीब 5,000 रुपये प्रति क्विंटल (करीब 50 रुपये प्रति किलो) तक पहुंच गई है। वहीं, खुदरा बाजार में शक्कर 51 रुपये प्रति किलो तक बिक रही है।

दौलतगंज होलसेल किराना मर्चेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष अजय रोहरा ने बताया कि शक्कर के कारोबार के इतिहास में संभवतः यह पहला मौका है, जब महज एक महीने के भीतर कीमतों में 8 रुपये प्रति किलो की बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने कहा कि मानसून की बेरुखी और सूखे की आशंका के कारण बाजार में तेजी का माहौल बना हुआ है।

क्यों महंगी हुई शक्कर?

मौसम की मारः अल नीनो और कमजोर मानसून के कारण महाराष्ट्र की चीनी मिलों से आपूर्ति प्रभावित। बड़े स्टॉकहोल्डर्स की भारी खरीद से बाजार में उपलब्धता कम हुई। तेजी की उम्मीद में सट्टेबाजों की सक्रियता से कीमतों को और बढ़ावा मिला।

आम जनता पर असर- पहले 10 किलो शक्कर की कीमतः 430 रुपये, अब 10 किलो शक्कर की कीमतः 510 रुपये, यानी हर 10 किलो शक्कर पर उपभोक्ताओं को सीधे 80 रुपये अधिक चुकाने पड़ रहे हैं।

वाहनों के कांच फोड़े

वन भूमि से कब्जा हटाने गए वनकर्मियों पर किया हमला

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

इंदौर से 40 किलोमीटर दूर चोरल रेंज में पेड़ काटकर वन भूमि पर कब्जा करने वालों ने वनकर्मियों पर हमला कर दिया। वनकर्मी जमीन मुक्त कराने पहुंचे थे, लेकिन कब्जा करने वाले ग्रामीणों ने पथराव शुरू कर दिया। वन विभाग के कर्मचारी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागे। पथराव के कारण दो जेसीबी मशीनों और एक वाहन के कांच फूट गए। पथराव में एक वनकर्मी भी घायल हो गया।

चोरल रेंज में शनिवार को वन विभाग का अमला अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई करने पहुंचा था। वन भूमि पर कब्जा करने वाले लोगों ने वन अमले पर हमला कर दिया। स्थिति इतनी बिगड़ गई कि कुछ लोग तलवार और कुल्हाड़ी लेकर वनकर्मियों के पीछे दौड़ पड़े और उन्हें मौके से भगाने की कोशिश की। इसके लिए उन्होंने अमले पर पथराव किया,

जिसमें दो जेसीबी मशीनों और एक सरकारी वाहन के कांच टूट गए। हमले में एक वनकर्मी घायल हो गया। यह घटना चोरल रेंज के रसकुडिया वन क्षेत्र में हुई। यहां रहने वाला गिनावल परिवार पिछले कुछ समय से वन भूमि पर कब्जा करने की कोशिश कर रहा था। वन भूमि पर लगे पेड़ काटकर वहां खेती करने की तैयारी की जा रही थी। करीब 10 हेक्टेयर जमीन पर कब्जा किया जा रहा था।

पुलिस ने प्रकरण भी दर्ज किया

कब्जे की जानकारी मिलने के बाद वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू की। अमले ने वन भूमि पर बोई गई फसल हटाई तो कुछ लोगों ने विरोध शुरू कर दिया। इस बात पर पहले बहस हुई, फिर विरोध करने वाले हिंसक हो गए और पथराव शुरू कर दिया। इसके बाद माहौल तनावपूर्ण हो गया। कुछ ग्रामीण तलवार और कुल्हाड़ी लेकर वनकर्मियों को डराने लगे। पथराव में वनकर्मी आनंद सिंह घायल हो गए। इस मामले में वनकर्मियों की शिकायत पर सिमरोल पुलिस ने प्रकरण भी दर्ज कर लिया है।

इंदौर के डकाच्या थाना में एएसआई की पदोन्नति का जश्न या कानून की धज्जियां?

पुलिसकर्मी के सामने युवक ने दनादन दागीं गोलियां

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

इंदौर के सीमावर्ती डकाच्या थाना क्षेत्र में एएसआई योगेश पटेल की पदोन्नति का जश्न उस समय विवादों में घिर गया, जब समारोह के दौरान एक युवक ने कथित तौर पर पुलिसकर्मी की मौजूदगी में ही खुलेआम फायरिंग कर दी। इतना ही नहीं, कुछ देर बाद दोबारा फायरिंग कर उसका वीडियो भी बनाया गया, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

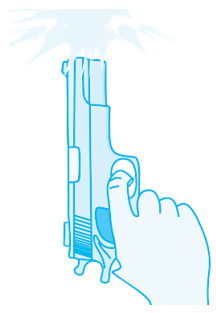

बताया जा रहा है कि वायरल वीडियो में दिखाई देने वाला युवक ऋतुराज पटेल है, जिसे क्षेत्र में विवादित छवि का बताया जा रहा है। आरोप है कि उसने जश्न के माहौल में लगातार गोलियां चलाईं और बाद में वीडियो वायरल कर दहशत फैलाने की कोशिश की। सबसे बड़ा सवाल यह है कि यदि कोई आम नागरिक इस तरह सार्वजनिक रूप से फायरिंग करता, तो पुलिस तत्काल मामला दर्ज कर गिरफ्तारी की कार्रवाई करती। लेकिन जब कथित तौर पर पुलिसकर्मी की मौजूदगी में ही यह घटना हुई, तब अब तक क्या कार्रवाई हुई और जिम्मेदारी किसकी तय होगी, इस पर सवाल उठ रहे हैं।

अब सभी की नजर डकाच्या थाना पुलिस और इंदौर पुलिस प्रशासन पर है कि वायरल वीडियो के आधार पर फायरिंग करने वाले युवक के खिलाफ वैसी ही सख्त कार्रवाई होती है या नहीं, जैसी आम मामलों में देखने को मिलती है।

मेट्रो की कंपन से दहशत विरोध के बाद दौड़े अधिकारी

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

मल्हारगंज थाना क्षेत्र के समीप मेट्रो परियोजना के निर्माण कार्य के दौरान शुक्रवार देर रात महसूस हुई तेज कंपन के बाद मचे हंगामे ने शनिवार सुबह प्रशासन और मेट्रो प्रबंधन की चिंता बढ़ा दी। रात में रहवासियों के विरोध प्रदर्शन के बाद शनिवार सुबह मेट्रो परियोजना से जुड़े अधिकारी प्रभावित मल्टियों में पहुंचे और भवनों का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने रहवासियों से चर्चा कर प्रारंभिक जानकारी जुटाई, वहीं लोगों ने निर्माण कार्य से उत्पन्न कंपन को लेकर गंभीर चिंता जताई। रहवासियों का कहना है कि निर्माण कार्य शुरू होने के बाद पहली बार इतनी तेज कंपन महसूस हुई, जिससे कई परिवार घबराकर घरों से बाहर निकल आए। लोगों का आरोप है कि यदि समय रहते निर्माण कार्य की तकनीकी निगरानी नहीं की गई तो भविष्य में बड़ा हादसा भी हो सकता है। पूरे घटनाक्रम में सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या मेट्रो प्रबंधन केवल औपचारिक निरीक्षण तक सीमित रहेगा या प्रभावित भवनों का किसी स्वतंत्र विशेषज्ञ संस्था से स्ट्रक्चरल ऑडिट भी कराया जाएगा।

आचार्यश्री के व्यक्तित्व में 24 तीर्थंकरों के लक्षण दिखाई देते थे-मुनि सुधा सागर

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

मेरे गुरु आचार्य विद्यासागर जी महाराज थे हैं और रहेंगे। भले ही वे तीर्थंकर नहीं थे पर वे तीर्थंकर सम उपकारी थे और उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व में पूरे 24 तीर्थंकरों के लक्षण दिखाई देते थे। आचार्य श्री अपने लिए नहीं पूरी दुनिया के लिए जिए और उन्होंने सेकडों युवक युवतियों को जैनेश्वरी दीक्षा प्रदान कर श्रमण परंपरा को न केवल वृद्धिगत किया बल्कि इस धारणा को भी बदल दिया की पंचम काल में मुनि नहीं होते ।

धर्म समाज प्रचारक एवं मीडिया प्रभारी राजेश जैन दद्दू ने बताया कि उक्त उद्गार शनिवार को श्रमण संस्कृति के महामहिम समाधिस्थ आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के 59 दीक्षा दिवस पर महाश्रमण मुनि पुंगव श्री सुधा सागर जी महाराज ने दिगंबर जैन तीर्थ मक्सी पारसनाथ में एक भीड़ भरी धर्म सभा में व्यक्त किये।

भाजपा की अपनी नेता ने खोली सरकार की पोल

इंदौर एयरपोर्ट की उपेक्षा पर कांग्रेस का हमला

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

भाजपा सरकार पर इंदौर एयरपोर्ट की घोर उपेक्षा का आरोप कांग्रेस ने लगाया है। 8 साल से इंदौर एयरपोर्ट का विस्तार सिर्फ कागजों पर है। रनवे की लंबाई आज तक नहीं बढ़ाई गई तो वहीं 492 करोड़ का टर्मिनल-1 तीन महीने से तैयार है पर ताला लगा है।

भाजपा की वरिष्ठ नेता और पूर्व लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन जी को मजबूरन मुख्यमंत्री को पत्र लिखना पड़ा। जब भाजपा के अपने नेता ही सरकार से इंदौर की उपेक्षा की शिकायत कर रहे हैं, तो आम जनता की कौन सुनेगा? भाजपा के 'डबल इंजन' मॉडल की असलियत है। एक इंजन 8 साल से घोषणाएं, शिलान्यास, फीते काट रहा है। दूसरा इंजन काम रोक रहा है और अपनी ही नेता के सवाल पर चुप्पी साध लेता है।

8 साल, इंदौर के साथ धोखा

■ **टर्मिनल का धोखा:** 6 साल पहले 450 करोड़ के नए टर्मिनल की घोषणा हुई। 'निजीकरण' का बहाना देकर रोक दिया। अब 2026 में 492 करोड़ का टर्मिनल-1 बनकर तैयार है, उद्घाटन भी हो गया, लेकिन उसमें स्टाफ नहीं दिया गया। ■ पार्किंग का धोखा: पार्किंग विस्तार के लिए एयरपोर्ट को 20 एकड़ जमीन मिली थी, उस पर भी मेट्रो ने कब्जा कर लिया। इखढ सरकार से अपनी एयरपोर्ट की जमीन तक नहीं संभल रही। ■ सड़क का धोखा: 6 लेन एयरपोर्ट रोड को 2 लेन बॉटलनेक बना दिया गया। ये इंटरनेशनल एयरपोर्ट का रास्ता है? ■ सिंहस्थ का धोखा: सिंहस्थ 2028 सिर पर है। उज्जैन 55 किमी दूर है, इंदौर इंटरनेशनल एयरपोर्ट बनेगा। लेकिन 8 साल में इखढ सरकार 143 एकड़ जमीन तक आवंटित नहीं कर पाई। उधर उज्जैन में 4 किमी लंबा नया रनवे तेजी से बन रहा है।

लंबी दूरी की ट्रेनों में पैंट्री वालों की मनमानी वसूली का धंधा पनपा

नियम ताक पर.... प्रीमिक्स के नाम पर चाय 20 एवं काफी 25 रुपए की

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

लंबी दूरी की ट्रेनों में पैंट्री वालों की मनमानी का धंधा धीरे-धीरे पनप रहा है। प्रिमिक्स के नाम पर यात्रियों से बेजा वसूली की जा रही है। चाय रू.20 एवं काफी रू.25 में बेची जा रही है,जबकि टी बेग वाली चाय की आईआरसीटीसी के नियमानुसार दर रू.10 प्रति नग ही है। इसे रेडी टी भी कहा जाता है।

पिछले कुछ समय से लंबी दूरी की ट्रेनों में पैंट्री वालों की मनमानी का आलम बन गया है। अधिकांश पैंट्री में मनमानी वसूली के लिए नियमों को दर किनार कर दिया गया है और इसे लेकर शिकायत नहीं होने से रेलवे भी ज्यादा ध्यान नहीं देता है। ऐसे में पैंट्री के लडके यात्रियों की जेब से रूपए झटकने में देर नहीं कर रहे हैं।

ये हैं नियम- पैंट्री वेंडर सिर्फ सुबह 6 बजे के बाद एवं रात 11 बजे के पूर्व कोच में आवाज लगाकर खाद्य सामगी बेच सकते हैं। नहीं बेच सकते। टी बेग चाय की दर 10 रूपए तय है। वेंडर की मनमानी पर नियमानुसार बिल मांगा जा सकता है। शिकायत के लिए RailMadad' ऐप या टोल-फ्री नंबर 139 है।

इलायची के नाम पर लूट

ट्रेन के डिब्बों में इलायची और मसाला के साथ प्रिमिक्स के नाम से चाय बेचने वाले लडके सीधे तौर पर यात्रियों को चूना लगा रहे हैं। यही हालत काफी में भी है। इस चाय के नाम पर सीधे तौर पर दो गूनी वसूली की जा रही है,जबकि आईआरसीटीसी के नियम 10 रूपए में रेडी चाय यात्रियों को उपलब्ध करवाने के हैं। इस दर में टी बेग वाली चाय उपलब्ध करवाई जानी है। इसके उलट वेंडर यात्रियों को केटली में भरी चाय 10 रूपए में दे रहे हैं। अलग से टी बेग नहीं मिलने से यात्री को चाय को लाईट एवं डार्क करना हो तो उसका विकल्प नहीं मिल पा रहा है।

खाने में भी यही हाल

हाल यह हैं कि अलग-अलग ट्रेनों में पैंट्री वालों की मनमानी से खाने के भी अलग झअलग दर तय हो गई है जबकि आईआरसीटीसी के नियमों के अनुसार के खाने की थाली की रेट 80 रुपये ही है। यात्री के मांगने पर भी पैंट्री वाले नियमानुरूप थाली लाकर नहीं देते हैं और यात्रियों की जेब से रूपए झटकने के तमाम यत्न करते हैं। खाने के अलग-अलग आफर रखकर यात्रियों को इसमें भी ठगा जा रहा है।

वेंडरों के अनेक बहाने

ट्रेनों में वेंडर प्रिमिक्स चाय काफी की ही आवाज लगाते हैं। इससे यात्रियों से ज्यादा दर वसूली की जाती है। खाने को लेकर भी यही हाल हो रहे हैं। अगर कोई यात्री? आईआरसीटीसी नियमों की बात करता है तो तत्काल बहाने बनाए जाते हैं। यहां तक की दूध,गैस नहीं होने जैसे तमाम बहाने बनाए जा रहे हैं। गौरतलब है कि पैंट्री में अब खाना बनाने का सिस्टम नहीं होता है।वाटर बायलर एवं इंडक्शन चूल्हे का ही उपयोग होता है। यही नहीं नियमों के मुताबिक पैंट्री के वेंडर सुबह 6 से रात 11 तक ही अपनी खाद्य सामग्री चिल्लाकर बेंच सकते हैं।

समस्त प्राणियों के कल्याण की भावना

इस नश्वर संसार में नष्ट न होने वाली वस्तु क्या है? वह सत्य है। सत्य की विजय केवल एक नैतिक आदर्श नहीं, बल्कि सृष्टि का शाश्वत नियम है। वही सत्य वास्तविक सत्य कहलाने योग्य है, जिसके पीछे समस्त प्राणियों के कल्याण की भावना निहित हो। ऐसा सत्य व्यक्ति विशेष के हित तक सीमित नहीं रहता, बल्कि समग्र मानवता के मंगल का मार्ग प्रशस्त करता है। असत्य कभी स्थायी विजय प्राप्त नहीं कर सकता। वह क्षणिक रूप से भले सफल दिखाई दे, किंतु उसकी वह सफलता अंततः उसके विनाश का संकेत बन जाती है।

उपनिषदों में ब्रह्म का अत्यंत सुंदर वर्णन मिलता है। कहा गया है, वह इतना विराट है कि मन उसकी कल्पना भी नहीं कर सकता। वह इतना सूक्ष्म है कि परमाणु, अणु और इलेक्ट्रॉन से भी सूक्ष्म है। उसकी व्यापकता और सूक्ष्मता, दोनों ही मनुष्य की सामान्य बुद्धि से परे हैं। वही परम सत्ता प्रत्येक जीव के भीतर प्रकाशमान है। जो उसे अपने से दूर मानता है, उसके लिए वह अत्यंत दूर प्रतीत होता है, किंतु जो उसे अपने हृदय में अनुभव करता है, उसके लिए वह सबसे निकट है। इसलिए ईश्वर की खोज में संसार भर में भटकने की आवश्यकता नहीं। वह हमारे अपने अस्तित्व, हमारी चेतना और हमारे हृदय की गहराइयों में हमेशा विद्यमान है। शास्त्र बताते हैं, परमात्मा को न तो देखा जा सकता है और न ही व्यक्त किया जा सकता है। केवल कर्मकांड, तपस्या या बाहरी आडंबर उसकी प्राप्ति का साधन नहीं बनते। जब किसी सच्चे सद्गुरु के मार्गदर्शन में साधक ज्ञान प्राप्त करता है और श्रद्धा-भक्ति से साधना करता है, तभी उसका मन निर्मल होता है। उसी निर्मल चेतना में वह निराकार परम सत्ता का अनुभव कर पाता है। आत्मज्ञानी व्यक्ति की सबसे बड़ी विशेषता यह होती है कि उसके भीतर किसी प्रकार का अभाव नहीं रहता। उसका मन संतुष्ट और शांत होता है। वह बाहरी वस्तुओं के पीछे भागने के बजाय अपने भीतर ही आनंद का स्रोत खोज लेता है। उसकी इच्छाएं स्वार्थ से नहीं, बल्कि व्यापक कल्याण की भावना से प्रेरित होती हैं। इसलिए उसके संकल्पों में अद्भुत शक्ति होती है और उसके जीवन में सहज सफलता आती है।

सम्पादकीय

सितारा फिर न आएगा

इसी 28 जुलाई को वह नब्बे साल के हो जाते, मगर सर गारफील्ड सोबर्स ने शुक्रवार को ही इस दुनिया को अलविदा कह दिया। हम उन्हें गैरी सोबर्स ही पुकारा करते थे। वैसे तो क्रिकेट की दुनिया में बहुत से लीजेंड पैदा हुए, मगर सर डॉन ब्रेडमैन की तरह अगर किसी क्रिकेटर की संसार के कोने-कोने में उपमा दी गई, तो वह गैरी सोबर्स ही हैं। विश्व-क्रिकेट में उनके जैसा सम्मान कमाने वाले बहुत कम खिलाड़ी हैं! उनके जाने से हम सब मर्माहत हैं। किसी खिलाड़ी की महानता का अंदाजा हम कैसे लगाते हैं? वेस्टइंडीज जब विश्व क्रिकेट में एक दमदार टीम बनी, गैरी सोबर्स उसका एक बेहद मजबूत हिस्सा थे। 1960 से लेकर 1974 तक वेस्टइंडीज टीम का दुनिया में बहुत नाम रहा और इसमें गैरी सोबर्स का योगदान काफी ज्यादा था। उनके आंकड़े इसकी तस्दीक कर देते हैं। सन् 1954 से 1974 के बीच गैरी सोबर्स ने अपने देश के लिए 93 टेस्ट मैच खेले, जिनमें उन्होंने 8,000 से भी अधिक रन बनाए और 235 विकेट लिए। क्रिकेट का चस्का गैरी को बहुत छोटी उम्र (आठ साल) में ही लग गया था। तब वह बारबाडोस में स्कोर बोर्ड पर स्कोर टांका करते थे। उस समय के बड़े-बड़े क्रिकेटरों को इस मैदान में उन्होंने खेलते हुए देखा। अपनी आत्मकथा गैरी सोबर्स : माई ऑटोबायोग्राफी में उन्होंने अभावों के बीच अपनी परवरिश के बारे में तफसील से लिखा है कि किस तरह पिता की मौत के बाद अकेली मां ने अपने बच्चों का पालन-पोषण किया। हालांकि, क्रिकेट के मैदान में ह्यकिंगह्ण बनते उन्हें ज्यादा देर न लगी। यह ठीक है कि 17 साल की उम्र में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कदम रखने वाले गैरी को अपने पहले शतक के लिए करीब चार साल का इंतजार करना पड़ा, लेकिन उसके बाद तो उन्होंने शतकों की झड़ी लगा दी और तिहरे शतक का एक ऐसा रिकॉर्ड बना दिया, जिसे अगले साढ़े तीन दशक तक कोई छू न सका। क्रिकेट में आज तक जितने भी हरफनमौला खिलाड़ी हुए, सर गैरी सोबर्स उन सबमें महान थे। बल्लेबाजी और गेंदबाजी के आंकड़े तो आपने पढ़ ही लिए। एक और आंकड़े से आप आसानी से अंदाजा लगा सकेंगे कि वह कितने जबर्दस्त क्षेत्ररक्षक थे। साल 1965 में गैरी को वेस्टइंडीज टीम का कप्तान बनाया गया था और 1966 में टीम इंग्लैंड के दौरे पर गई। उस दौरे में गैरी जैसे चौतरफा जादू बिखेर रहे थे। पांच टेस्ट मैचों की वह शृंखला वेस्टइंडीज ने 3-1 से जीती थी, जबकि एक मैच ड्रॉ रह गया था। उस शृंखला में गैरी सोबर्स ने न सिर्फ तीन शतक जड़े और 20 विकेट झटके थे, बल्कि 10 कैच भी पकड़े थे।

(क्या सचमुच महिलाओं के काम करने से महंगा हुआ जीवन?)

महंगाई, दोहरी आय और बदलता परिवार

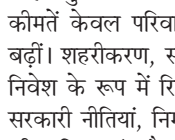

प्रियंका सौरभ (दैनिक अवन्तिका)

आज के समय में यदि किसी मध्यमवर्गीय परिवार से पूछा जाए कि उसकी सबसे बड़ी चिंता क्या है, तो उत्तर लगभग एक जैसा होगा–बच्चों की महंगी शिक्षा, घर का सपना, स्वास्थ्य सेवाओं का बढ़ता खर्च और रोजमर्रा की बढ़ती महंगाई। एक साधारण नौकरीपेशा व्यक्ति वर्षों की बचत के बाद भी अपना घर नहीं खरीद पा रहा। निजी विद्यालयों की फीस इतनी अधिक हो चुकी है कि बच्चों की शिक्षा परिवार के बजट का सबसे बड़ा हिस्सा बन गई है। ऐसे में यह प्रश्न स्वाभाविक है कि आखिर ऐसा क्यों हुआ?

हाल के वर्षों में एक विचार तेजी से चर्चा में आया है कि इन समस्याओं का प्रमुख कारण महिलाओं का बड़ी संख्या में कार्यक्षेत्र में आना है। तर्क दिया जाता है कि जब पति और पत्नी दोनों कमाने लगे तो परिवारों की कुल आय बढ़ गई। बाजार ने इसे अवसर मान लिया और मकानों, स्कूलों तथा अन्य आवश्यक सेवाओं के दाम बढ़ा दिए। इस विचार के समर्थक यह भी कहते हैं कि महिलाओं के घर से बाहर निकलने से परिवार कमजोर हुए, बच्चों का पालन-पोषण प्रभावित हुआ और समाज में अस्थिरता बढ़ी।

यह तर्क पहली नजर में कुछ लोगों को आकर्षक लग सकता है, क्योंकि वास्तव में आज अधिकांश शहरी परिवारों में एक आय से घर चलाना कठिन होता जा रहा है। किंतु किसी भी सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन का विश्लेषण केवल एक कारण के आधार पर नहीं किया जा सकता। समाज, अर्थव्यवस्था और परिवार कई परस्पर जुड़े कारकों से प्रभावित होते हैं। इसलिए आवश्यक है कि इस बहस को भावनाओं से नहीं, तथ्यों और संतुलित दृष्टिकोण से देखा जाए।

सबसे पहले यह समझना होगा कि भारत सहित दुनिया के अधिकांश देशों में मकानों की कीमतें केवल परिवारों की आय बढ़ने से नहीं बढ़ीं। शहरीकरण, सीमित भूमि, बढ़ती आबादी, निवेश के रूप में रियल एस्टेट की लोकप्रियता, सरकारी नीतियां, निर्माण लागत, भूमि अधिग्रहण की जटिलताएं और आसान ऋण व्यवस्था जैसे अनेक कारणों ने संपत्ति की कीमतों को प्रभावित किया। यदि केवल महिलाओं के रोजगार से ही मकान महंगे हुए होते, तो जिन देशों में महिलाओं की श्रम भागीदारी अधिक है वहां आवास हमेशा सबसे महंगा होना चाहिए था, जबकि वास्तविकता इससे कहीं अधिक जटिल है।

इसी प्रकार शिक्षा की बढ़ती लागत का संबंध भी अनेक कारणों से है। निजी शिक्षा का विस्तार, आधुनिक सुविधाओं की प्रतिस्पर्धा, अंग्रेजी माध्यम का आकर्षण, तकनीकी संसाधनों पर बढ़ता खर्च, शिक्षकों के वेतन, परिवहन, भवन निर्माण और शिक्षा के व्यवसायीकरण ने फीस बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह कहना कि केवल इसलिए स्कूलों की फीस बढ़ी क्योंकि महिलाएं नौकरी करने लगीं, आर्थिक वास्तविकताओं का अत्यधिक सरलीकरण होगा।

फिर भी इस विचार के पीछे एक महत्वपूर्ण चिंता अवश्य छिपी हुई है। वह चिंता है परिवार की बदलती संरचना और जीवन की गुणवत्ता। यह सत्य है कि पहले संयुक्त परिवारों में बच्चों की देखभाल, बुजुर्गों की सेवा और घरेलू जिम्मेदारियां साझा होती थीं। आज छोटे परिवारों में पति-पत्नी दोनों के कार्यरत होने पर समय का अभाव महसूस होता है। बच्चों के साथ बिताया जाने वाला समय कम हुआ है। तनाव, मानसिक दबाव और कार्य-जीवन संतुलन की समस्याएं बढ़ी हैं। लेकिन इन समस्याओं का समाधान महिलाओं को घर तक सीमित करना नहीं, बल्कि ऐसी सामाजिक और आर्थिक नीतियां बनाना है जो परिवार और कार्य के बीच संतुलन स्थापित कर सकें। इतिहास भी इस विषय को उतनी सरलता से नहीं देखता जितना अक्सर सोशल मीडिया पर प्रस्तुत किया जाता है। महिलाओं ने सदियों से खेती, पशुपालन, हस्तशिल्प, व्यापार और पारिवारिक व्यवसायों में योगदान दिया है। औद्योगिक क्रांति के दौरान भी बड़ी संख्या में महिलाएं कारखानों में कार्य करती थीं। इसलिए यह कहना कि इतिहास में महिलाएं हमेशा घर पर ही रहती थीं, वास्तविकता का पूर्ण चित्र प्रस्तुत नहीं करता। अंतर केवल इतना है कि पहले उनके श्रम का बड़ा हिस्सा बिना वेतन के घरेलू कार्यों में दिखाई देता था, जबकि आज वही श्रम वेतनभोगी रोजगार के रूप में अधिक स्पष्ट दिखाई देता है।

यह भी सही है कि घरेलू कार्य का आर्थिक मूल्य अक्सर कम करके आंका गया है। घर संभालना, बच्चों का पालन-पोषण करना, बुजुर्गों की सेवा करना और परिवार की व्यवस्था बनाए रखना किसी भी समाज के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य हैं। यदि कोई महिला या पुरुष यह भूमिका निभाता है तो उसका सम्मान होना चाहिए। लेकिन इसी प्रकार यदि कोई महिला अपनी शिक्षा, योग्यता और इच्छा के अनुसार नौकरी करना चाहती है तो उसके निर्णय का भी समान सम्मान होना चाहिए। वास्तविक सशक्तिकरण का अर्थ विकल्प का अधिकार है, न कि किसी एक जीवनशैली को सभी पर थोप देना।

आर्थिक दृष्टि से भी यह विचारणीय है कि यदि लाखों महिलाएं अचानक कार्यबल से बाहर हो जाएं तो देश की उत्पादन क्षमता, कर संग्रह, उपभोग और आर्थिक विकास पर गंभीर प्रभाव पड़ेगा। अनेक क्षेत्रों–शिक्षा, स्वास्थ्य, बैंकिंग, सूचना प्रौद्योगिकी, प्रशासन और वैज्ञानिक अनुसंधान–में महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। इन क्षेत्रों से महिलाओं की अनुपस्थिति केवल परिवारों को ही नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र की प्रगति को प्रभावित करेगी।

वास्तविक समस्या शायद कहीं और है। पिछले कुछ दशकों में उत्पादकता जितनी बढ़ी, उतनी गति से आम नागरिक की वास्तविक क्रयशक्ति नहीं बढ़ी। संपत्ति कुछ हाथों में अधिक केंद्रित हुई। शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी आवश्यक सेवाओं का तेजी से निजीकरण हुआ। महानगरों में भूमि की उपलब्धता सीमित रही। निवेशकों ने आवास को रहने की आवश्यकता से अधिक निवेश का साधन बना दिया। परिणामस्वरूप मकान आम परिवार की पहुंच से दूर होते गए। इसी प्रकार शिक्षा सेवा न रहकर एक बड़े उद्योग का रूप लेती गई। इन संरचनात्मक कारणों की अनदेखी कर पूरी जिम्मेदारी महिलाओं के रोजगार पर डाल देना समस्या का समाधान नहीं है। निश्चित रूप से आधुनिक जीवनशैली ने परिवारों के सामने नई चुनौतियां खड़ी की हैं। छोटे बच्चों की देखभाल, बुजुर्गों की सेवा, वैवाहिक संबंधों में संवाद की कमी और बढ़ता मानसिक तनाव वास्तविक समस्याएं हैं। इनका समाधान लचीले कार्य घंटे, मातृत्व और पितृत्व अवकाश, गुणवत्तापूर्ण डे-केयर, परिवार समर्थक नीतियों और कार्यस्थलों पर संवेदनशील वातावरण से निकलेगा।

राजनीतिक परिस्थितियां हर किसी को प्रभावित करती है

लोकतांत्रिक शासन प्रणाली के चलते इस बात पर विशेष तौर पर गौर करने की जरूरत है कि आखिर नागरिकों का एक बड़ा वर्ग राजनीति से परहेज क्यों करता है ? बीते दौर में राजनीतिक सक्रियता एक प्रकार से घर फूंक तमाशा देखने के समकक्ष मानी जाती थी। उस दौर में राजनेताओं के प्रति आम नागरिकों के अंतर्मन में वही भाव होता था, जो किसी तपस्वी संत पुरुष के प्रति होना चाहिए। लेकिन वर्तमान दौर में आर्थिक दृष्टि से स्वर्णिम भविष्य की परिकल्पना को साकार सिद्ध करने में सक्रिय राजनीति भी एक सशक्त माध्यम बन गई है। देखते ही देखते नीति और सिद्धांत बौद्धिक जुगाली की विषय वस्तु बन गए हैं।

ऐसी स्थिति में अधिकांश नागरिकों के अंतर्मन में यह भावना घर करती जा रही है कि आखिर राजनीति से हमें क्या लेना देना ? लेकिन गहराई से सोचा जाए तो राजनीति के क्षेत्र में व्याप्त तमाम विकृतिया अंततः आम नागरिकों पर ही भारी सिद्ध होती है। आज स्थिति यह है कि अधिकांश पदासीन शख्सियत कहीं न कहीं किसी न किसी रूप में अपनी उपलब्धियों के प्रतिफल की आकांक्षा मन में संजोए हुए होती है। अब यह जो राजनेताओं की बढ़ती अमीरी है, इस अमीरी का बोझ आखिरकार आम नागरिकों को ही निर्वहन करना होता है। एक जमाना था जब चुनावी दौर में कहीं-कहीं निजी साधनों से शराब और कंबल का दबे छुपे स्वरों में उल्लेख आता था। लेकिन अब तो सीधे तौर पर सरकारी खजाने से आम नागरिकों को लॉलीपॉप उपलब्ध कराने की खुली प्रतिस्पर्धा का दौर राजनीतिक दलों के बीच दिखाई देता है। आज स्थिति यह है कि राजनेताओं के प्रति आम नागरिकों में वह विश्वास नहीं रहा, जो की स्वतंत्रता संग्राम के दौरान और स्वतंत्रता प्राप्ति पश्चात कुछ दशकों तक रहा था। - **राजेन्द्र बज**

पञ्चांग राशिफल

दिनांक - 20 जुलाई 2026 सोमवार
सूर्योदय - 05:56 सूर्यास्त 19:10
आषाढ़ मास शुक्ल पक्ष
राहुकाल - 07:30 से 09:00 तक
तिथि - सप्तमी 04:03 उपरांत अष्टमी
नक्षत्र - हस्त 19:10 उपरांत चित्रा
योग - शिव 18:37 उपरांत सिद्ध
करण - गर
चन्द्रमा - दिन पूर्ण कन्या में रहेगा।
मुस्लिम मास - सावान मास 05 तारिख

मेष- विद्यार्थी वर्ग सफलता अर्जित करेगा। पठन-पाठन में मन लगेगा। दूर यात्रा की योजना बन सकती है।

वृषभ- मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा। वरिष्ठजनों का मार्गदर्शन प्राप्त होगा।

मिथुन- जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। बेचैनी रहेगी। रोजगार में वृद्धि होगी।

कर्क- लेन-देन में सावधानी रखें। शारीरिक कष्ट संभव है। परिवार में तनाव रह सकता है। शुभ समाचार मिलेंगे।

सिंह- आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा।

कन्या- परिवार के साथ मनोरंजन का कार्यक्रम बन सकता है। व्यवसाय ठीक चलेगा।

तुला- बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं।

वृश्चिक- व्यापार-व्यवसाय में लाभ होगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें।

धनु- बेचैनी रहेगी। चोट व रोग से बचें। काम का विरोध होगा। तनाव रहेगा।

मकर- कोर्ट व कचहरी के काम अनुकूल होंगे। पूजा-पाठ में मन लगेगा। प्रमाद न करें रोजगार में वृद्धि होगी।

कुंभ- तीर्थयात्रा की योजना बनेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। सुख के साधनों पर व्यय हो सकता है। पारिवारिक सहयोग मिलेगा।

मीन- भूमि, भवन, दुकान व फैक्टरी आदि के खरीदने की योजना बनेगी।

सेहत के लिए खतरनाक हो सकता है हाई कोलेस्ट्रॉल

कोलेस्ट्रॉल वैक्स जैसा एक पदार्थ होता है जो फैट के समान होता है। हमारे शरीर को कुछ मात्रा में कोलेस्ट्रॉल की जरूरत होती है जो कोशिका झिल्ली (सेल मेंब्रेन), विटामिन डी के उत्पादन के लिए जरूरी होता है। शरीर को जितने कोलेस्ट्रॉल की जरूरत होती है, उतनी मात्रा में लीवर नेचुरली इसका निर्माण करता है। हालांकि शरीर में होने वाली कई दिक्कतों के चलते ब्लड कोलेस्ट्रॉल का लेवल बढ़ने लगता है। कोलेस्ट्रॉल का लेवल ज्यादा होना हमारी सेहत के लिए काफी खतरनाक साबित हो सकता है। इसके बढ़ने से हार्ट डिजीज और स्ट्रोक का खतरा बढ़ता है। सेंटर फोर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन के मुताबिक, हाई ब्लड कोलेस्ट्रॉल को 200 मिलीग्राम प्रति डेसीलीटर (मिलीग्राम/डीएल) या उससे ज्यादा खतरनाक माना जाता है। शरीर में कोलेस्ट्रॉल लेवल बढ़ने के कई कारण हो सकते हैं। आइए जानते हैं किन कारणों के चलते कोलेस्ट्रॉल एकदम से बढ़ने लगता है।

किन कारणों से कोलेस्ट्रॉल लेवल होता है हाई?

अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन (अल्एअ) के मुताबिक, कोलेस्ट्रॉल के कॉमन कारणों में असंतुलित डाइट, फिजिकल एक्टिविटी ना के बराबर होना और मोटापा शामिल है। ये

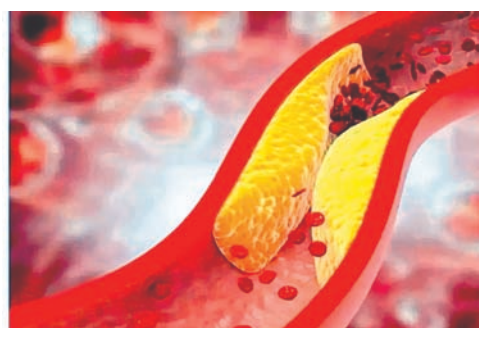

सभी चीजें लंबे समय तक कोलेस्ट्रॉल में बढ़ोतरी का कारण बनती हैं। शरीर में कोलेस्ट्रॉल का लेवल हाई होने पर डॉक्टर आपको कुछ ऐसी चीजें बता सकते हैं जिससे आपका कोलेस्ट्रॉल लेवल कम रहे जैसे- डाइट और खाने की आदतों में बदलाव, रोजाना फिजिकल एक्टिविटी करना, वजन मेंटेन रखना और स्मोकिंग ना करना।

कॉफी का अधिक मात्रा में सेवन-

कॉफी में कैफीन की मात्रा काफी ज्यादा होती है जिस कारण ब्लड प्रेशर तेजी से बढ़ता है। इसके अलावा कॉफी का सेवन करने से ब्लड कोलेस्ट्रॉल भी तेजी से बढ़ने लगता है। साल 2018 में हुई एक स्टडी के मुताबिक, रोजाना 4 एस्प्रेसो का सेवन करने से शरीर में बैड कोलेस्ट्रॉल का लेवल अचानक से बढ़ने लगता है।

साइकोलॉजिकल स्ट्रेस-

स्ट्रेस और कोलेस्ट्रॉल लेवल के बीच गहरा संबंध है। सइकोलॉजिकल स्ट्रेस से शरीर में बैड कोलेस्ट्रॉल का लेवल अचानक से काफी ज्यादा बढ़ने लगता है। यह कोर्टिसोल हार्मोन के कारण हो सकता है, जो स्ट्रेस के दौरान बढ़ जाता है। साल 2020 के एक आर्टिकल के मुताबिक, कोर्टिसोल हार्मोन का लेवल ज्यादा होने से शरीर में कोलेस्ट्रॉल का लेवल भी बढ़ता है।

स्मोकिंग- स्मोकिंग के कारण भी कोलेस्ट्रॉल के लेवल में बढ़ोतरी होती है। ऐसा सिगरेट में मौजूद निकोटिन और तंबाकू की वजह से होता है। साल 2021 के एक आर्टिकल के मुताबिक, सिगरेट पीते समय, बहुत अधिक मात्रा में निकोटिन हमारे फेफड़ों के जरिए खून में प्रवेश करता है। जिसके कारण शरीर में से कैटाकोलमाइन रिलीज होता है। कैटाकोलमाइन का लेवल बढ़ने से लिपोलिसिस, या लिपिड ब्रेकडाउन बढ़ जाता है, जिससे छऊछ कोलेस्ट्रॉल का उत्पादन बढ़ जाता है।

व्यंग्य

न्याय कहीं अँधेरे में...!

संजय तराणेकर (दैनिक अवन्तिका)

आज तख्तों पर बैठे फैसले,
सत्य अभी भी कटघरे में है।
ताकत के आगे झुकता जग,
न्याय लगा कहीं अँधेरे में है।

जहाँ में रोते बच्चे, उजड़े घर,
यहाँ खामोश हुआ हर इंसान।
युद्धों की धधक रहीं आग में,
यूं जलता जा रहा है सम्मान।

यहाँ कानून की मोटी किताबें,
सिर्फ.शब्दों का बोझ हैं बनीं।
न जाने निदोर्षों की टूटी साँसें,
किसके हिस्से की खोज बनीं?

जब ताकत ही सच कहलाए,
तब न्याय कहाँ टिक पाएगा?
यदि मानवता संसार हार गई,
तो इतिहास क्या दोहराएगा?

उठो, विवेक की लौ जलाओ,
सत्ता से सच मत हारने दो।
धरती सबकी, जीवन सबका,
इंसानियत को जिन्दा कर दो।

नशे से दूरी है जरूरी

आओ मिलकर आज करें,
जन-जन में यह बात पहुँचाएँ।
नशे से दूरी है जरूरी,
जीवन को खुशहाल बनाएँ॥

युवा शक्ति है देश की आशा,
मत इसे अंधेरों में खोने दो।
ज्ञान, परिश्रम, संस्कारों से,
उज्ज्वल भविष्य संजोने दो॥

मध्यप्रदेश सरकार का है,
जनहित में यह अभियान।
नशे से दूरी है जरूरी 2.0
देता नवजीवन का संदेश महान॥

लक्ष्य है नशामुक्त भारत का,
साल 2029 का स्वप्न सँवार।
अवैध नशों की हर आपूर्ति,
मिलकर करें हम सब बेकार॥

सिर्फ.दंड नहीं, संवेदना भी,
भटके जन को दें नया सहारा।
काउंसलिंग, उपचार, पुनर्वास से,
जीवन में लौटे फिर उजियारा॥

धर्मस्थल, समाज और जन-जन,
सब मिलकर लें यह संकल्प।
नशे के विरुद्ध उठे हर स्वर,
सफल बने हर जन का विकल्प॥

ओमप्रकाश चोरमा (दैनिक अवन्तिका)

उन्नीस पावन तीर्थों पर,
शराबबंदी का शुभ निर्णय।
संयम, संस्कृति और सदाचार,
बढ़ा रहा जन-जन का गौरव॥
आओ हाथों में हाथ मिलाएँ,
हर घर तक यह संदेश पहुँचाएँ।
नशे से दूरी है जरूरी, मिलकर नशामुक्त मध्यप्रदेश बनाएँ॥

धर्म-आस्था

सतीसर से कश्मीर : स्वर्गभूमि के जन्म की महागाथा

हिमाच्छादित पर्वतों, चिनारों की छाया, झीलों की नीलिमा और फूलों की घाटियों वाले काश्मीर की वास्तविक पहचान उसकी प्रत्येक शिला, प्रत्येक जलधारा और प्रत्येक पर्वत-शिखर में धड़कती एक प्राचीन स्मृति, संस्कृति है झ एक ऐसी संस्कृति, जहाँ प्रकृति, अध्यात्म और पुराण एकाकार हो जाते हैं।

स्नेहलता श्रीवास्तव (दैनिक अवन्तिका)

जब सृष्टि अपने बाल्यकाल में थी और हिमालय अपनी दिव्य भव्यता का विस्तार कर रहा था, तब उसकी गोद में एक विराट जलराशि लहराती थी। चारों ओर हिम-धवल शिखर ऐसे खड़े थे, मानो देवताओं के मौन प्रहरी हों। उनके मध्य फैला था एक अथाह, शांत और नीलमणि-सा दीप्त, दिव्य विशाल सरोवर झ सतीसर।

देवी सती के पावन नाम से प्रतिष्ठित यह सरोवर इतना निर्मल था कि उसके जल में आकाश स्वयं उतर आता था। हिमशिखरों का रजत वैभव, बादलों की चंचल यात्राएँ और रात्रि के असंख्य नक्षत्र उसकी लहरों पर झिलमिलाते रहते। प्रभात की प्रथम किरणें जब जल को स्पर्श करतीं, तो ऐसा प्रतीत होता मानो सूर्य स्वयं स्वर्णकलश से अमृत बरसा रहा हो। संध्या उतरती, तो झील तपस्वियों की समाधि-सी गंभीर और शांत हो जाती।

उस समय यह संपूर्ण प्रदेश देवताओं का निवास, ऋषियों की तपोभूमि और सनातन संस्कृति का आलोकित केंद्र था। सरोवर की गहराइयों में नागराज नील और उनका नागवंश निवास करता था। तटों पर यज्ञों की अग्नि प्रज्वलित रहती, वेदमंत्रों की ध्वनि हिमालय की घाटियों में प्रतिध्वनित होती और तपस्वियों का मौन समस्त वातावरण को पवित्र बना देता। ऐसा लगता था, मानो पृथ्वी का यह भाग स्वर्ग का ही विस्तार हो। कालचक्र की गति अकल्पनीय होती है झ प्रकृति का सौंदर्य भी कभी-कभी काल की कठोर परीक्षा से गुजरता है। सतीसर की अथाह गहराइयों से जलोद्भव नामक एक भयंकर असुर का जन्म हुआ। उसने दीर्घकाल तक तपस्या कर ब्रह्माजी को प्रसन्न किया और ऐसा वरदान प्राप्त किया कि जब तक वह जल में रहेगा, कोई भी उसका वध नहीं कर सकेगा।

वरदान मिलते ही उसका अहंकार विकराल हो उठा। रात्रि का सन्नाटा घिरते ही वह झील से बाहर निकलता, निर्दोष मनुष्यों और तपस्वियों का संहार करता तथा भोर की पहली किरण फूटने से पहले पुनः जल की अभेद्य शरण में लौट जाता। देखते-ही-देखते देवभूमि का वह स्वर्ग भय और आतंक का पर्याय बन गया। आश्रम उजड़ने लगे, यज्ञकुंड बुझने लगे और मंत्रोच्चार की पवित्र ध्वनि करुण क्रंदन में बदल गई।

समय बीतता रहा। एक दिन उस पीड़ित भूमि पर महर्षि कश्यप का आगमन हुआ। त्रस्त जन उनके चरणों में गिर पड़े। उनकी आँखों में भय था, कंठ में करुण पुकार और हृदय में अंतिम आशा। महर्षि ने चारों ओर दृष्टि डाली। जहाँ कभी शांति और साधना का साम्राज्य था, यज्ञकुण्ड बुझ गए, आश्रम सूने पड़ गए और तपोभूमि आतंक की छाया में डूब गई। उनका करुणामय हृदय द्रवित हो उठा। उन्होंने अपनी अंजलि में सतीसर का जल भरकर संकल्प लिया मैं इस अधर्म का मूल ही समाप्त करूँगा।

इसके बाद उन्होंने ऐसी कठोर तपस्या की कि तीनों लोकों में उनका तेज फैल गया। ब्रह्मा, विष्णु और महेश स्वयं उनके सम्मुख प्रकट हुए। देवसभा में निर्णय हुआ कि इस देवभूमि को पुनः धर्मभूमि बनाया जाएगा।

भगवान विष्णु ने अनंत शेष को आदेश दिया। शेषनाग ने पश्चिम दिशा में खड़ी विशाल पर्वत-शृंखला पर ऐसा प्रहार किया कि मानो पृथ्वी का वक्ष फट गया हो। पर्वत का सीना चीरकर एक विराट मार्ग बन गया और सतीसर का अथाह जल प्रचंड वेग से बाहर बह निकला। गर्जन करती जलधारा चट्टानों को तोड़ती हुई आगे बढ़ी। जहाँ से यह मार्ग बना, वही स्थान आगे चलकर वराहमूल कहलाया, जिसे आज हम बारामूला के नाम से जानते हैं।

देखते ही देखते वह विराट जलराशि विलीन होने लगी। झील का जल उतरता गया और उसके गर्भ से एक अद्भुत घाटी प्रकट होने लगी। अब जलोद्भव का वरदान निष्प्रभ हो चुका था।

भगवान विष्णु ने अपने दिव्य सुदर्शन चक्र से उसका संहार किया। अधर्म का अंत हुआ और सतीसर का भयावह अध्याय सदा के लिए समाप्त हो गया।

इन्दौर मंडी भाव

चना कांटा 6300 से 6350 विशाल 6050 से 6150 मसूर 6000 मोगर 5500 से 6500 उड़द बोल्ड 9500 से 9900 उड़द गर्मी 8800 से 9500 ग्रेविटी क्लीन 10000 से 10200 हल्का उड़द 4000 से 6000 काबुली डॉलर 7200 से 8500 काबुली रशियन 5800 बिटकी 5200 से 5300 सरसों निमाड़ी 7800 से 8100 रायडा 7000 से 7100 करंज 5000 से 5200 सोयाबीन 7200 अलसी 8500 से 9000 तिल्ली 8000 से 9000 गेहूं मिल क्वालिटी 2500 से 2550 लोकवन 2750 से 2800 पूर्णा 2550 से 2600 मालवराज 2600 से 2650 मक्का 1975 से 2000 चना दाल 7700 से तुअर दाल 7400 से 7600 मूंग दाल 8800 से 8900 बेस्ट 9000 से 9100 मूंग मोगर 10900 से 11000 बेस्ट 11100 से 11200 उड़द दाल 10800 से 11000 बेस्ट 11100 से 11200 उड़द मोगर 12000 से 12300 बेस्ट 12400 से 12700 मसूर दाल 7950 से 8050 बेस्ट 8150 से 8250 रुपए प्रति क्विंटल।

आलू, प्याज, लहसून भाव

आलू ज्योति नया 700 से 800 ज्योति राशन आलू 500 से 600 गुल्ला 300 से 400 रुपए प्रति क्विंटल बिका। प्याज नया 1200 से 1300 पुराना 800 से 1000 एवरेज 500 से 700 गोल्टा 300 से 400 प्रति क्विंटल रहे। लहसुन एक्स्ट्रा सुपर 13500 से 14000 देशी 10000 से 11000 एवरेज 8000 बारीक 4000 रुपए क्विंटल।

उज्जैन भाव

लोकवन गेहूँ- 1950-2925, धनिया- 10300-12762, चना देशी- 5541-6301, डालर चना- 3850-7310, मटर- 2622-3430, मक्का- 2415, मूंग- 6810, सोयाबीन- 2200-8000, तिल्ली- 10491-11001, सरसो- 6886, मावा- 300 प्रतिकिलो। **सोना-चाँदी-** सोना- स्टेण्डर्ड- 1,41,400 रवा- 1,41,200 चांदी- टंच- 2,22,000 पाट- 2,21,500।

उज्जैन किराना

अशोक कुमार भगवानदास

152 फवारा चौक उज्जैन

किराना रेट प्रति किलो, चावल बासमती छड़ी 75 से 180, चावल तिबार 68 से 120, चावल पोनिया 55 से 85, चावल की टुकडी 36 से 65, चावल सेला 36.5 से 38, राइस परमेल 35 से 44, तूवर दाल निमाड़ी 130, तूवर दाल महाराष्ट्र 104 से 113, तूवर दाल अन्य 85 से 120, मूंग दाल 85 से 110, मुंग मोगर 95 से 120,उड़द मोगर 110 से 120, उड़द दाल 95 से 100, चना दाल 71 से 80।

आमंत्रण

आप भी अपने व्यंग्य, रचनाएं, लेख, प्रतिक्रिया, मालवी भाषा में पठनीय सामग्री आदि ई-मेल कर सकते है।

editor.awantika@gmail.com

नशा मुक्ति अभियान: बच्चों को मादक पदार्थों से तौबा करने का दिलाया संकल्प

खरसौदकलां। शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल खरसौदकलां में भाटपचलाना पुलिस द्वारा शुक्रवार को नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पुलिस प्रशासन ने विद्यार्थियों को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराते हुए नशामुक्त समाज बनाने का संकल्प दिलाया। हायर सेकंडरी स्कूल परिसर में आयोजित कार्यक्रम में पुलिस एस आई सुन्दरलाल ने विद्यार्थियों को विभिन्न प्रकार के नशों से होने वाले शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक नुकसान की जानकारी दी। साथ ही उन्होंने बताया कि नशे की लत व्यक्ति के भविष्य, परिवार और समाज पर गंभीर प्रभाव डालती है। विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने का आहवान कर क्षेत्र में अपराध संबंधित गतिविधि की जानकारी मिलने पर पुलिस को सूचित करने के लिए प्रेरित किया गया। आयोजित कार्यक्रम के दौरान कन्हैयालाल मचार, एस एस डिंडोर पुष्पराज सिंह, मुकेश गोयल एवं महीला आरक्षण मोनिका राय के अलावा दिनेश सनोलिया एवं संस्था प्राचार्य वीरेंद्रसिंह भारद्वाज ने भी नशे से शरीर पर विपरीत प्रभाव की बिंदूवार जानकारी के साथ विषेले प्रदार्थ से तौबा करने के लिए प्रेरित किया।विद्यार्थियों ने कार्यक्रम के दौरान नशा मुक्त रहने की शपथ भी ली। पुलिस खरसोदकला के अलावा समीप चिरोलाकला हायर सेकेंडरी स्कूल के बच्चों को नशा मुक्ति एवं सोशल मिडिया के साथ सायबर अपराध के बचाव संबंधित सुझाव दिए।

धारा 49 हटाने पर पेंशनर समाज में हर्ष की लहर

खाचरोद। मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़ सरकार के संयुक्त प्रयासों से 26 वर्षों से चली आ रही पेंशनरों की महत्वपूर्ण मांग पूरी होने से मध्य प्रदेश पेंशनर समाज में हर्ष की लहर। धारा 49 हटाने के बाद अब दोनों राज्यों के पेंशनरों को महंगाई राहत बढ़ाने के लिए एक दूसरे प्रदेश की अनुमति लेने की आवश्यकता नहीं रहेगी। नए आदेश अनुसार अब मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ की सरकारे अपने-अपने वित्तीय संसाधनों एवं परिस्थितियों के अनुसार स्वतंत्र रूप से पेंशनरों को महंगाई राहत देने का निर्णय ले सकेगी। इस निर्णय से लंबे समय से चली आ रही समस्याओं का समाधान होने पर पेंशनर समाज संगठन संतोष एवं प्रसन्नता व्यक्त की है। पेंशनर समाज नेताओं ने बताया कि इस मांग को लेकर तहसील स्तर से लेकर प्रांत स्तर तक अनेक ज्ञापन दिए गए ,धरना प्रदर्शन के माध्यम से लगातार आंदोलन किए गए वर्षों के संघर्ष के बाद यह निर्णय पेंशनरों के लिए बड़ी उपलब्धि साबित हुआ है। धारा 49 हटाने पर पेंशनर समाज ने मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़ सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया एवं धन्यवाद ज्ञापित किया है इस अवसर पर अध्यक्ष श्री जगदीश जी शर्मा, शोभाराम जी परासिया ,मदनलाल जी पाटीदार ,सुरेश शर्मा ,दिलीप खाबिया, राजेंद्र रावल , मदन लाल मकवाना ,अशोक जैन आदि पदाधिकारीयों एवं सदस्यों ने दोनों राज्य सरकार का धन्यवाद ज्ञापित किया गया। उक्त जानकारी दिलीप खाबिया द्वारा दी गई

एसडीओपी बनने पर थाना प्रभारी भाभौर का स्वागत कर किया सम्मान

महिदपुर रोड। नगर के थाना प्रभारी राम सिंह भाभौर को विभाग द्वारा पदोन्नत कर एसडीओपी बनाये जाने पर नगर के नागदा तिराहे मार्ग स्थित व्या पारी संघ के सदस्यों ने पुष्पमाला बनाकर उनका सम्मान किया इस दौरान राम भरोसे पोरवाल दिलीप तलेरा , अनिल मांदलिया, सुनील मूणत, राहुल कांठेड़ सहित अन्य व्यापारी उपस्थित रहे।

राजगढ़ पुलिस ने जिलेभर में चलाया जनजागरूकता अभियान

राजगढ़। पुलिस मुख्यालय मध्यप्रदेश द्वारा संचालित नशे से दूरी है जरूरी 2.0 जनजागरूकता अभियान के अंतर्गत पुलिस अधीक्षक अमित तोलानी के नेतृत्व एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के.एल. बंजारे के मार्गदर्शन में राजगढ़ पुलिस द्वारा जिलेभर में नशामुक्त समाज के निर्माण के उद्देश्य से लगातार प्रभावी जनजागरूकता गतिविधियाँ संचालित की जा रही हैं। 18 जुलाई 2026 को जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में विद्यालयों, महाविद्यालयों, ग्रामों, सार्वजनिक स्थलों एवं बस्तियों में कुल 17 जनजागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिनमें लगभग 4,700 नागरिकों, विद्यार्थियों, युवाओं एवं महिलाओं को नशे के दुष्परिणामों के संबंध में जागरूक किया गया। अभियान के दौरान पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने विद्यार्थियों एवं आमजन को शराब, गांजा, अफीम, स्मैक तथा अन्य मादक पदार्थों के सेवन से होने वाले शारीरिक, मानसिक, आर्थिक एवं सामाजिक दुष्प्रभावों की जानकारी दी। साथ ही उपस्थित सभी लोगों को नशे से दूर रहने, अपने परिवार एवं समाज को नशामुक्त बनाने तथा नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार की सूचना तत्काल पुलिस को देने के लिए प्रेरित किया गया। अनेक स्थानों पर प्रतिभागियों को नशामुक्ति की शपथ भी दिलाई गई। जनजागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में स्थित विद्यालयों, ग्रामों एवं सार्वजनिक स्थलों पर किया गया, जहाँ थाना प्रभारियों एवं पुलिस अधिकारियों ने स्थानीय नागरिकों से संवाद स्थापित कर नशामुक्त समाज के निर्माण में सक्रिय सहभागिता का आह्वान किया।

पोरवाल समाज के युवाओं ने किया वृक्षारोपण

महिदपुर रोड। रविवार को पोरवाल समाज के अखिल भारतीय पोरवाल युवा संगठन द्वारा समाज के भामाशाह स्वर्गीय रतनलाल पोरवाल दानगढ (कल्लू खेड़ी) वाले द्वारा समाज के उफयोग के लिए गांधी गई कृषि भूमि में बड़ीसंख्या में विभिन्न प्रजातियों के वृक्षों के पौधे लगाये गये इस दौरान के पोरवाल युवा संगठन के अध्यक्ष सहित सभी पदाधिकारी मौजूद रहे जानकारी अनिल भैंसोटा (मिनावदा) ने दी।

हिरणों से किसानों को आर्थिक नुकसानः फसल चरने के साथ पौधों को भी रौंद रहे

सारंगपुर में हिरणों के झुंड से किसान हो रहे परेशान

दैनिक अवन्तिका ▸▸ सारंगपुर

सारंगपुर विकासखंड के कई गांवों में हिरणों के झुंड किसानों की फसलों को लगातार नुकसान पहुंचा रहे हैं। खेतों में बडी संख्या में पहुंच रहे हिरण फसल चरने के साथ-साथ पौधों को भी रौंद रहे हैं। किसानों ने वन विभाग और प्रशासन से स्थायी समाधान की मांग की है।

कई गांवों से ऐसे वीडियो सामने आए हैं, जिनमें बडी संख्या में हिरण खेतों में घूमते और फसलों को नुकसान पहुंचाते दिखाई दे रहे हैं। कांकरिया के किसान मनोहर सिंह ने बताया कि रोजाना शाम और रात के समय हिरणों के झुंड खेतों में पहुंच जाते हैं। किसान मनोहर ने बताया कि बडी संख्या में आने वाले हिरण फसल चरने के साथ पौधों को तोडते और रौंदते भी हैं। इससे फसल पूरी तरह खराब हो जाती है और किसानों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड रहा है। वन विभाग को समीपस्थ शाजापुर जिले की तरह ही हिरण और नीलगाय को पकडकर अभयारण्यों में छोडा जाना चाहिए। ताकि किसानों को राहत मिले। यह नहीं करने के कारण कई क्षेत्रों में हिरणों की संख्या अधिक बनी हुई है और फसलों को नुकसान पहुंचने की शिकायतें लगातार मिल रही हैं। किसानों ने वन विभाग और प्रशासन से मांग की है कि फसलों की सुरक्षा के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएं और इस समस्या का स्थायी समाधान किया जाए, ताकि उन्हें आर्थिक नुकसान से बचाया जा सके।

जंगली जानवरों से फसल नुकसान पर मिलता है मुआवजा

वन विभाग के एसडीओ दिनेश कुमार यादव ने बताया कि यदि हिरण, नीलगाय या चिंकारा जैसे जंगली जानवर किसानों की फसलों को नुकसान पहुंचाते हैं, तो सरकार द्वारा उन्हें इसका उचित मुआवजा दिया जाता है इसका प्रावधान है। नुकसान की भरपाई के लिए प्रभावित किसानों को अपने नजदीकी तहसील कार्यालय में जाकर एक औपचारिक आवेदन प्रस्तुत करना होगा। आवेदन मिलने के बाद प्रशासन द्वारा मौके पर जाकर फसलों को हुई हानि का सर्वे और आकलन किया जाएगा। इस प्रक्रिया के पूरा होने के बाद नियमों के अनुसार किसानों को मुआवजा राशि जारी की जाएगी, जिससे आर्थिक तंगी से जूझ रहे अन्नादाताओं को बडी राहत मिल सकती है।

बोले जिम्मेदार

सारंगपुर ही नहीं पुरे जिले में हिरण, चिंकारा, काले हिरण और नील गायों की समस्या है। इनको शिफ्ट करने का मामला शासन स्तर का है, जिसको लेकर हम ऊपर पत्र लिखकर किसानों की मांग पहुंचा देंगे। अगर यह जंगली जानवर किसानों की फसलों को नुकसान पहुंचाते है तो किसानों को इसका मुआवजा मिल सकता है। उन्हें नुकसानी को लेकर आवेदन तहसील कार्यालय में आवेदन करना होगा, इससे उन्हें हानि का मुआवजा मिलेगा। **दिनेश कुमार यादव, एसडीओ, वन विभाग, नरसिंहगढ़।**

सीसीटीवी कैमरों की मदद से बस से बैग चोरी करने वाला गिरफ्तार

सारंगपुर पुलिस की ऑपरेशन चक्षु मुहिम रंग लाई, चोर को दबोचा

चोरी गई चांदी की पायल, कमरबंद, साडियां और मोबाइल बरामद

दैनिक अवन्तिका ▸▸ सारंगपुर

सारंगपुर पुलिस द्वारा संपत्ति संबंधी अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने और अपराधियों की धरपकड के चलाए जा रहे विशेष अभियानों को एक और बडी सफलता मिली है। पुलिस की ऑपरेशन चक्षु मुहिम के तहत क्षेत्र में लगाए गए सीसीटीवी कैमरों की मदद से सारंगपुर पुलिस ने बस स्टैंड पर खडी बस से बैग चोरी करने वाले शातिर आरोपित को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस ने आरोपित के कब्जे से चोरी गया शत-प्रतिशत मशरूका बरामद कर लिया है। यह पूरी कार्रवाई पुलिस अधीक्षक अमित तोलानी के निर्देशन, एसडीओपी सारंगपुर अरविंद सिंह के पर्यवेक्षण तथा सारंगपुर थाना प्रभारी राहुल रघुवंशी के कुशल नेतृत्व में गठित पुलिस टीम द्वारा अंजाम दी गई।

थाना प्रभारी राहुल रघुवंशी ने बताया विगत 8 जुलाई फरियादिया पूजा गोस्वामी (उम्र 28 वर्ष, निवासी ककरकडिया, थाना नलखेडा, जिला आगर मालवा ने थाने आकर रिपोर्ट दर्ज कराई थी। फरियादिया ने बताया कि सारंगपुर बस स्टैंड पर खडी बस में से कोई अज्ञात बदमाश उनका बैग चोरी कर ले गया है। बैग में चांदी की पायल, चांदी की कमरबंद, एक मोबाइल फोन, दो साडियां और कुछ कपडे रखे हुए थे। घटना की गंभीरता को देखते हुए थाना सारंगपुर में अपराध क्रमांक 529/26, धारा 303(2) बीएनएस के तहत मामला पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया था।

24 साल से फरार चल रहा गोवंश वध अधिनियम का स्थाई वारंटी गिरफ्तार

पुलिस ने कानून व्यवस्था को सुदृढ बनाने और लंबे समय से फरार अपराधियों की धरपकड के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत एक बडी सफलता हासिल की है। थाना सारंगपुर पुलिस ने पिछले 24 वर्षों से फरार चल रहे एक स्थाई वारंटी को गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है। पकडा गया आरोपित गोवंश वध अधिनियम के एक मामले में साल 2002 से पुलिस को चकमा दे रहा था, जिसे अब सलाखों के पीछे भेज दिया गया है।

चातुर्मास कराने का जो संकल्प लिया है, वह अत्यंत प्रेरणादायक है :मुनिश्री

सारंगपुर। नगर के इतिहास में पहली बार परम पूज्य मुनि श्री 108 प्रवरसागर जी महाराज के चातुर्मास का शुभ अवसर प्राप्त होने पर रविवार को सकल दिगम्बर जैन समाज एवं चातुर्मास सेवा समिति के तत्वावधान में भव्य मंगल अगवानी निकाली गई। नगर के प्रमुख मार्गों पर हजारों श्रद्धालुओं, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों एवं व्यापारी बंधुओं ने पुष्पवर्षा कर गुरुदेव का भावभीना स्वागत किया। पूरे नगर में धार्मिक उल्लास एवं भक्ति का वातावरण बना रहा। भव्य मंगल अगवानी का शुभारंभ श्री महावीर दिगम्बर जैन कीर्ति स्तंभ से हुआ। चल समारोह एबी रोड, नया बस स्टैंड, भेरू दरवाजा, जोशी दवाखाना, त्रिपोलिया बाजार, अंबे माता मंदिर, जामा मस्जिद चौराहा, श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर होते हुए श्री महावीर दिगम्बर जैन मंदिर पहुंचा, जहां धर्मसभा के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

नातरा-झगड़ा कुप्रथा उन्मूलन विषय पर कार्यशाला आयोजित

दैनिक अवन्तिका ▸▸ ब्यावरा

पुलिस उप महानिरीक्षक डीआईजी सामुदायिक पुलिसिंग डॉ. विनीत कपूर के मार्गदर्शन में पुलिस कंट्रोल रूम, राजगढ़ में सामुदायिक पुलिसिंग एवं नातराझझगड़ा कुप्रथा उन्मूलन विषय पर एक विचार-विमर्श एवं शोध कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला में डीआईजी डॉ. विनीत कपूर के साथ उनकी शोध टीम के सदस्य डॉ. तसनीम देव एसोसिएट प्रोफेसर, नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, दिल्ली, सुश्री हिमांशी यादव लीड रिसर्चर, राजगढ़ नातराझझगड़ा परियोजना तथा मोहित सोने पीएचडी स्कॉलर एवं रिसर्च एसोसिएट उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के प्रारंभ में पुलिस अधीक्षक अमित तोलानी, आईपीएस द्वारा डीआईजी डॉ. विनीत कपूर एवं उनकी शोध टीम का पुष्पगुच्छ भेंट कर आत्मीय स्वागत किया गया। कार्यशाला के दौरान पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा नातराझझगड़ा कुप्रथा उन्मूलन विषय पर विस्तृत प्रस्तुतिकरण दिया गया। चर्चा में ग्रामीण क्षेत्रों में प्रचलित इस कुप्रथा के सामाजिक प्रभाव, इससे उत्पन्न होने वाले विवादों, उनके प्रभावी एवं शांतिपूर्ण समाधान तथा सामुदायिक सहभागिता को सुदृढ़ बनाने के विभिन्न आयामों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। इस अवसर पर डीआईजी डॉ. विनीत कपूर एवं उनकी शोध टीम ने पुलिस अधिकारियों, प्रशासनिक अधिकारियों, विभिन्न ग्राम पंचायतों से आए सरपंचों, जनप्रतिनिधियों तथा गणमान्य नागरिकों से संवाद कर उनके अनुभव एवं सुझाव प्राप्त किए।

लायंस क्लब ने 51 जरूरतमंद बच्चों को पाठ्य सामग्री भेंट की

दैनिक अवन्तिका ▸▸ खाचरौद

स्कूली बैग, कापी, कंपास जब जरूरत बच्चों के हाथों में आए तो उनके चेहरे खुशी से खिल उठे। नया स्कूली बैग हाथों में आने पर चेहरे पर मुस्कान लेकर घर लौटे बच्चे। रविवार को शिव बालाजी मंदिर प्रांगण में स्वर्गीय रमेश चंद्र जायसवाल की स्मृति में लॉयन्स क्लब के तत्वाधान में करीब 51 नगर एवं ग्रामीण के जरूरतमंद बच्चों को स्कूली सामग्री का वितरण किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत शिव बालाजी मंदिर में भगवान की पूजन अर्चना के साथ प्रारंभ हुई।

लायंस क्लब अध्यक्ष सुधीर जायसवाल ने कहा आज के युग में शिक्षा का बहुत अधिक महत्व है, ऐसे बच्चे जिनको अध्ययन कार्य के लिए शैक्षणिक सामग्री की आवश्यकता पड़ती है, लेकिन उनका परिवार यह सब देने में असमर्थ रहता है, हम ऐसे बच्चों को पाठ्य पुस्तक प्रदान कर उन्हें कल के भविष्य के लिए तैयार करेंगे। इस मौके पर अशोक जैन,डॉ आरसी यादव,ओमप्रकाश सेकवाडीया,प्रवीण जैन ,नरेन्द्र सेठी राजेश राठौर, शैलेन्द्र कटारिया, गोपाल माहेश्वरी,अरुण चतुवेर्दी, संजय मालपानी,अनिल नांदेचा आदि उपस्थित थे। जानकारी क्लब सचिव लायन मनीष गुप्ता ने दी।

पर्यावरण प्रेमियों ने किया पौधारोपण, दिया पर्यावरण संरक्षा का संदेश

सारंगपुर। वट वृक्ष (बरगद) का रोपण पर्यावरण संरक्षण, दीर्घायु की कामना और भारतीय संस्कृति से जुडने का एक अत्यंत पुण्यदायी और प्रतीकात्मक कार्य है। यह वृक्ष अपनी विशालता, अमरता और औषधीय गुणों के लिए जाना जाता है। यह बात पंडित सत्यनारायण शर्मा पर्यावरण प्रेमियों द्वारा लगाए गए पौधो के दौरान कही। उन्होंने इसके आध्यात्मिक एवं धार्मिक महत्व को समझाते हुए कहा कि हिंदू धर्म में वट वृक्ष को साक्षात त्रिदेव सदृश्य, जड में ब्रह्मा, छाल में विष्णु और शाखाओं में शिव का प्रतीक माना गया हैं। इसे मोक्ष और अक्षय पुण्य देने वाला वृक्ष भी कहा गया हैं। उन्होंने आगे यह भी कहा जिस प्रकार बरगद सैकडों वर्षों तक हरा-भरा और विशाल रहता है, उसी प्रकार जन्मदिन पर इसे लगाने से व्यक्ति की लंबी उम्र, अच्छे स्वास्थ्य और जीवन में स्थिरता की कामना जुडी होती हैं। उल्लेखनीय है कि दल के द्वारा वरिष्ठ समाजसेवी पर्यावरण प्रेमी लक्ष्मी नारायण त्रिकार के 73 वे जन्मदिवस पर श्री खेडापति हनुमान मंदिर परिसर पर पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया था।

किसानों की समस्याओं को लेकर कांग्रेस का फूटा गुस्सा

कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान का पुतला फूंका, कांग्रेस ने सरकार को घेरा

दैनिक अवन्तिका ▸▸ सारंगपुर

किसानों की लगातार उपेक्षा करने और उनकी जायज मांगों को नजरअंदाज करने वाली सरकार के खिलाफ अन्नादाताओं और कांग्रेस कार्यकताओं का आक्रोश चरम पर पहुंच गया है। लीमाचौहान में किसान ब्लॉक अध्यक्ष मुरलीधर खाती के नेतृत्व में किसानों और कांग्रेस नेताओं ने एकत्रित होकर प्रदर्शन किया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने केंद्र और राज्य सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान का पुतला दहन किया। इस विरोध प्रदर्शन का मुख्य कारण क्षेत्र के किसानों को आ रही तीन बडी और गंभीर समस्याएं हैं, जिससे पूरा किसान वर्ग इस समय बेहद परेशान और बेहाल है।

कांग्रेसजनों ने बताया कि खेती के इस सबसे महत्वपूर्ण सीजन में किसानों को खाद के लिए दर-दर भटकना पड रहा है। सोसायटियों से खाद गायब है और किसानों को घंटों लाइनों में लगने के बाद भी खाली हाथ लौटना पड रहा है। वहीं एक तरफ किसान पहले से ही लागत न निकलने और मौसम की मार से आर्थिक तंगी से जूझ रहा है, वहीं दूसरी तरफ बिजली कंपनियों द्वारा थमाए जा रहे भारी-भरकम और मनमाने बिजली बिलों ने आम किसान की कमर तोडकर रख दी है।

प्रदर्शन में एकजुट रहे दिग्गज कांग्रेसी नेता- इस आंदोलन और पुतला दहन कार्यक्रम में किसानों के कंधे से कंधा मिलाकर खडे होने के लिए बडी संख्या में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पदाधिकारी उपस्थित रहे। ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष रितेश पाटीदार ने सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि यह सरकार पूरी तरह किसान विरोधी हो चुकी है और केवल पूंजीपतियों के हित में काम कर रही है। प्रदर्शन के दौरान पूर्व सरपंच रमेश चंद्र पप्पू कलमोदिया, उपसरपंच एवं पूर्व मंडल अध्यक्ष कांतिलाल आर्य, फूल सिंह कलमोदिया, और लक्ष्मी नारायण मैनेजर ने भी किसानों की आवाज बुलंद की। इसके साथ ही इब्राहिम मंसूरी, बाबू खां मंसूरी, दिनेश बैरागी, सुभाष पाल खजुरिया, जगदीश शर्मा और रमेश पंडितजी सहित सैकडों की संख्या में किसान और ग्रामीण उपस्थित रहे।

26 जुलाई से शुरू होगी शनि की उल्टी चाल

तीन राशि वालों की चमकेगी किस्मत, पंडित ने बताए उपाय

दैनिक अवन्तिका ▸▸ सारंगपुर

ज्योतिष शास्त्र में सबसे प्रभावशाली माने जाने वाले न्याय, धर्म और अध्यात्म के कारक शनि देव आगामी 26 जुलाई से वक्री होने जा रहे हैं। यानी इस दिन से शनि की उल्टी चाल शुरू होगी, जो लगभग 140 दिनों तक चलेगी। सारंगपुर के प्रसिद्ध खेड़ापति हनुमान मंदिर के पुजारी पंडित पवन पारीक ने बताया कि शनि की इस बदली चाल का असर देश-दुनिया समेत सभी 12 राशियों पर देखने को मिलेगा। कुछ राशियों के लिए यह समय बेहद शुभ रहेगा, तो कुछ को विशेष सावधानी बरतने की जरूरत होगी।

पंडित पवन पारीक के अनुसार, शनि का वक्री होना वृषभ, सिंह और मकर राशि के जातकों के लिए बेहद लाभदायक सिद्ध होने वाला है। इन राशि वाले लोगों को अपने करियर और बिजनेस में सकारात्मक परिणाम मिलेंगे। लंबे समय से अटकी हुई योजनाएं गति पकडेंगी और धन लाभ के योग बनेंगे।

वहीं, कुछ राशियों को इस दौरान विशेष सतर्कता बरतनी होगी। जिसमें मेष राशि के लोगों में मानसिक तनाव और घबराहट बढ सकती है। पंडित पारीक ने सलाह दी है कि बेवजह अधिक सोचने से बचें। मीन राशि के जातकों को कोई भी बडा फैसला जल्दबाजी में लेने से बचना चाहिए और शांत मन से काम लेना चाहिए। पारीक ने बताया कि ज्योतिषीय आकलनों के अनुसार शनि करीब 135 से 140 दिन में अपनी चाल बदलते हैं। इस बार शनि के वक्री होने का असर वैश्विक राजनीति, विदेश नीति और कूटनीतिक समझौतों पर साफ दिखाई दे सकता है। विभिन्ना देश अपनी सीमा सुरक्षा, आंतरिक विकास और संसाधनों को मजबूत करने पर अधिक ध्यान केंद्रित करेंगे। भारत के लिए यह समय शोध और नई वैज्ञानिक उपलब्धियों के लिहाज से बेहद शुभ माना जा रहा है। ज्योतिष गणना के अनुसार इस अवधि में अत्यधिक बारिश, भूस्खलन और भूकंप जैसी प्राकृतिक घटनाओं की आशंका भी बढ सकती है। खगोल विज्ञान के अनुसार शनि वास्तव में उल्टी दिशा में नहीं चलता। पृथ्वी सूर्य के अधिक निकट होने के कारण शनि की तुलना में तेज गति से अपनी कक्षा में घूमती है। जब पृथ्वी शनि को ओवरटेक करती है, तब पृथ्वी से देखने पर शनि कुछ समय के लिए पीछे की ओर चलता हुआ दिखाई देता है। इसी आभासी स्थिति को ज्योतिष में वक्री चाल कहा जाता है।

पाडल्यामाता में मुनिश्री के आगमन पर स्वागत किया गया

दैनिक अवन्तिका ▸▸ सारंगपुर।

पाडल्यामाता में मुनिश्री प्रवर सागर महाराज के आगमन पर जैन समाज द्वारा धूमधाम से स्वागत किया गया। ग्राम पंचायत सरपंच सुभाषचंद्र पाटीदार के निवास से मंगल अगवानी यात्रा निकाली गई। काचरिया रोड स्थित वंश माहेश्वरी के निवास पर सत्संग कार्यक्रम आयोजित किया गया। सत्संग में बडी संख्या में धर्मप्रेमी, महिला मंडल, युवा वर्ग और ग्रामीणजन शामिल रहे। तत्पश्चात मुनिश्री द्वारा जैन परिवार को णमोकार मंत्र दिया गया।

प्रियंका चोपड़ा ने पति निक जोनस से 10 साल बड़े होने पर कही बड़ी बात

'प्यार में उम्र का फासला मायने नहीं रखता है....'

बॉलीवुड और हॉलीवुड स्टार प्रियंका चोपड़ा ने अपने पति निक जोनस के साथ उम्र के अंतर पर खुलकर बात की है। एक हालिया पॉडकास्ट में उन्होंने बताया कि उनके रिश्ते में 10 साल का यह अंतर कभी भी कोई परेशानी नहीं बना। आईएएनएस के अनुसार, पॉडकास्ट के दौरान जब एक महिला ने प्रियंका से पूछा कि वह खुद से 6 साल छोटे लड़के को डेट कर रही हैं, तो वह इस रिश्ते में अपना आत्मविश्वास कैसे बढ़ाएं? इस पर प्रियंका ने जवाब देते हुए कहा कि जब आपको कोई ऐसा जीवनसाथी मिल जाता है, जो आपकी हर उम्मीद पर खरा उतरे, तो उम्र का अंतर कोई चुनौती नहीं रह जाता। प्रियंका ने कहा कि जिंदगी के बड़े फैसले लेते समय मन में ऐसे सवाल आना स्वाभाविक है। निक जोनस ने भी इस

पर कहा कि उनके लिए प्रियंका से 10 साल छोटा होना कभी कोई बड़ी बात नहीं रही। प्रियंका और निक की मुलाकात सोशल मीडिया के जरिए हुई थी। कुछ समय डेट करने के बाद दिसंबर 2018 में जोधपुर में उन्होंने हिंदू और ईसाई दोनों रीति-रिवाजों से धूमधाम से शादी की। जनवरी 2022 में सरोगेसी की मदद से उनके घर बेटी का जन्म हुआ, जिसका नाम उन्होंने मालती मैरी चोपड़ा जोनस रखा है। प्रियंका चोपड़ा इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'वाराणसी' को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। इस फिल्म का निर्देशन मशहूर डायरेक्टर एसएस राजामौली कर रहे हैं। इस फिल्म में प्रियंका के साथ महेश बाबू और पृथ्वीराज सुकुमारन मुख्य भूमिकाओं में हैं।

आठवें दिन 100 करोड़ क्लब के बेहद करीब पहुंची 'धमाल 4'

इन दिनों सिनेमाघरों में कई फिल्में लगी हैं। हालांकि सभी बॉलीवुड फिल्मों की कमाई काफी कम हो गई है। 'धमाल 4' का कलेक्शन पहले वीकएंड के बाद घट गया। इसके बाद इसकी कमाई लगातार घटती ही चली गई। फिर भी फिल्म का कलेक्शन लगभग 100 करोड़ रुपये हो गया है। 'अल्फा' और 'वेलकम टू द जंगल' के कलेक्शन में काफी गिरावट दर्ज की गई है। अजय देवगन की अदाकारी वाली फिल्म 'धमाल 4' की कमाई में बीते कल के मुकाबले गिरावट आई है। प्राप्त आंकड़ों के मुताबिक इस फिल्म ने शुक्रवार को 3.31 करोड़ रुपये का कारोबार कर लिया है। इस फिल्म का टोटल कलेक्शन 99.31 करोड़ रुपये हो चुका है। भले

ही फिल्म का कलेक्शन घटा हो मगर इसने आज आठवें दिन 100 करोड़ रुपये के बेहद करीब पहुंच गई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस फिल्म का बजट 200 करोड़ रुपये है।

अल्फा

आलिया भट्ट और शरवरी वाघ की फिल्म 'अल्फा' का कलेक्शन दो हफ्तों के बाद काफी घट गया है। फिल्म पहले ही लाखों में कलेक्शन कर रही थी। आज इसके कलेक्शन में काफी गिरावट देखने को मिल रही है। आज इसने खबर लिखे जाने तक 18 लाख रुपये का कलेक्शन किया है। इसका टोटल कलेक्शन 56.58 करोड़ रुपये हो गया है।

शो लॉकअप 2 के प्रतियोगी राम कपूर ने दिया हिंट

क्या हर्षद चोपड़ा शिवांगी जोशी से प्यार करते हैं?

ह्यलॉकअप 2ह्ल का एक हालिया एपिसोड तक चर्चा में आ गया, जब राम कपूर ने एक दूसरे प्रतियोगी से हर्षद चोपड़ा और शिवांगी जोशी के रिश्ते पर बात की। शो के कई प्रतियोगियों को लगता है कि इनके बीच दोस्ती से ज्यादा प्यार का रिश्ता है। जानिए, राम कपूर ने इस मामले पर क्या कहा?

राम कपूर को ऐसा क्यों लगता है?

शो के एक दूसरे प्रतियोगी से बात करते हुए राम कपूर कहते हैं, ह्यहर्षद शिवांगी के लिए शो में खेल रहा है। अगर शिवांगी शो जीतने वाली होगी, तो वह खुद हट जाएगा। यह साफ है कि वह उससे प्यार करता है, लेकिन चुपचाप। जिस तरह वह उस दिन शिवांगी के लिए रोया था, उससे यह बात साफ हो गई। राम कपूर ने आगे कहा, मुझे लगता है कि यह दोनों तरफ से नहीं है। शिवांगी जानती है कि हर्षद उससे प्यार करता है और वह इसका पूरा फायदा उठाती है। वह उसके लिए बिल्कुल भी ठीक नहीं है। मैं इसके लिए हर्षद को ही दोषी मानूंगा।

बीते दिनों 'लॉकअप 2' में आकांक्षा चमोला ने अपने और एक्टर गौरव खन्ना के तलाक की बात बताई। वहीं राम कपूर ने बताया कि जब वह छोटे थे तो हॉस्टल में उनका शोषण किया गया था। इसी तरह से हर्षद चोपड़ा ने बताया था कि उनकी गर्लफ्रेंड और दोस्त ने मिलकर उन्हें धोखा दिया था।

यह सब राज सुनकर इन सेलेब्स के फैंस काफी हैरान थे।

क्या है शो लॉकअप 2 का कॉन्सेप्ट?

रियलिटी शो 'लॉक अप 2 को रितेश देशमुख और फराह खान होस्ट कर रहे हैं। इसमें कुछ

चर्चित सेलिब्रिटीज को एक जेल के कॉन्सेप्ट वाली जगह पर प्रतियोगी के तौर पर रखा जाता है। वे बाहरी दुनिया से कटे रहते हैं।

Sport

स्पेनिश गोलकीपर सिमोन ने सिर्फ 1 गोल खाया

मेसी ने सबसे ज्यादा 8 गोल दागे

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

102 मैच, 31 दिन और 46 टीमों के बाद फुटबॉल वर्ल्ड कप 2026 को दो फाइनलिस्ट मिल गए हैं। डिफेंडिंग चैंपियन अर्जेंटीना लगातार दूसरी बार खिताबी मुकाबले में पहुंचा है,

जबकि स्पेन 16 साल बाद फाइनल खेलेगा। दोनों टीमें 19 जुलाई की रात 12:30 बजे ट्रॉफी के लिए आमने-सामने होंगी। फाइनल तक पहुंचने का रास्ता दोनों टीमों के लिए आसान नहीं रहा। कहीं आखिरी मिनट में मैच पलटा, कहीं एक्स्ट्रा टाइम में जीत मिली तो कहीं गोलकीपर ने शानदार बचाव कर टीम को बाहर होने से बचाया।

लियोनेल मेसी, कप्तान, फॉरवर्ड

39 साल के मेसी एक बार फिर अर्जेंटीना के सबसे बड़े मैच विनर साबित हुए। ग्रुप स्टेज में अल्जीरिया के खिलाफ हैट्रिक लगाई। सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ टीम 85 मिनट तक 0-1 से पिछड़ रही थी, लेकिन आखिरी सात मिनट में मेसी ने दो असिस्ट देकर मैच पलट दिया। उनके नाम पूरे टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा 8 गोल हैं।

लॉटारो मार्टिनेज, स्ट्राइकर

इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल मैच 1-1 से बराबरी पर था। लॉटारो बतौर सब्स्टिट्यूट खेलने उतरे। इंजरी टाइम के दूसरे मिनट में उन्होंने हेडर से गोल कर अर्जेंटीना को लगातार दूसरे वर्ल्ड कप फाइनल में पहुंचा दिया।

क्रिस्टियन रोमेरो, सेंटर बैक

राउंड ऑफ-16 में मिस्र के खिलाफ अर्जेंटीना 0-2 से पीछे था। 79वें मिनट में रोमेरो ने गोल कर वापसी की शुरूआत की और अगले 13 मिनट में टीम ने तीन गोल दागकर मैच पलट दिया। डिफेंस में उनके टैकल और इंटरसेप्शन ने कई मजबूत टीमों के हमले रोके।

जूलियन अल्वारेज, स्ट्राइकर

स्विट्जरलैंड के खिलाफ क्वार्टर फाइनल एक्स्ट्रा टाइम तक खिंच गया था। 112वें मिनट में अल्वारेज ने बॉक्स के बाहर से शानदार गोल कर अर्जेंटीना को सेमीफाइनल का टिकट दिलाया।

उनाई सिमोन, गोलकीपर

स्पेन के फाइनल तक पहुंचने की सबसे बड़ी वजह उसका मजबूत डिफेंस रहा और उस डिफेंस की सबसे मजबूत कड़ी गोलकीपर उनाई सिमोन रहे। उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में सिर्फ एक गोल खाया। फ्रांस के खिलाफ सेमीफाइनल में एमबाप्पे के कई शॉट रोके। उन्होंने सभी मैच मिलाकर 609 मिनट तक गोल नहीं खाने का रिकॉर्ड भी बनाया।

एंजो फर्नांडीज, मिडफील्डर

सेमीफाइनल में एंजो ने इंग्लैंड के खिलाफ 25 गज दूर से शानदार शॉट लगाकर बराबरी दिलाई। डिफेंस और अटैक के बीच तालमेल बैठाने, गेंद पर नियंत्रण रखने और खेल की रफ्तार तय करने में उनकी भूमिका बेहद अहम रही।

पीवी सिंधु जापान ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के फाइनल में

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

भारत की स्टार शटलर पीवी सिंधु ने जापान ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बना ली है। उनका सामना जापान की अकाने यामागुची और इंडोनेशिया की पुत्री कुसुमा वारदानी के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल की विजेता से होगा।

सिंधु ने सेमीफाइनल में चीन की वर्ल्ड नंबर-4 चेन यूफेई को हराया। सिंधु सेमीफाइनल में 21-19, 15-10 से आगे थीं, तभी चेन यूफेई हैमस्ट्रिंग में परेशानी के कारण मैच से हट गईं। इसी के साथ सिंधु ने लगातार 5 हार के सिलसिले को तोड़ दिया। सिंधु 7 साल के बाद चीनी खिलाड़ी को हराने में कामयाब हुई हैं। उन्हें यूफेई पर पिछली जीत 2019 में वर्ल्ड चैंपियनशिप के दौरान मिली थी। सिंधु करीब 2 साल बाद इहऋवर्ल्ड टूर के किसी बड़े टूर्नामेंट का फाइनल खेलेंगी। इससे पहले उन्होंने 2024 में सैयद मोदी इंटरनेशनल का खिताब जीता था। सिंधु को क्वार्टर फाइनल में पूर्व वर्ल्ड चैंपियन नोआमी ओकुहारा ने वॉकओवर दे दिया था। इससे पहले वे चीन की हान यू को हराकर क्वार्टर फाइनल में पहुंची थीं। उन्होंने दूसरे दौर के मुकाबले को महज 35 मिनट में 21-16, 21-14 से जीत लिया।

वॉशिंगटन सुंदर तीसरे वनडे से बाहर

नई दिल्ली। इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले तीसरे और आखिरी वनडे मैच के लिए ऑलराउंडर हर्ष दुबे को भारतीय टीम में शामिल किया गया है। उन्हें वॉशिंगटन सुंदर की जगह टीम में शामिल किया गया है। सुंदर दूसरे वनडे के दौरान चोटिल हो गए थे, जिसके कारण वह सीरीज से बाहर हो गए हैं। भारत और इंग्लैंड के बीच तीसरा वनडे कल लॉर्ड्स में खेला जाएगा। हर्ष दुबे ने 13 जून 2026 को अफगानिस्तान के खिलाफ धर्मशाला में अपना वनडे इंटरनेशनल डेब्यू किया। इस मैच में उन्होंने 5 ओवर में 47 रन देकर 3 विकेट लिए।

सीरीज के दूसरे वनडे मैच के दौरान सुंदर के दाहिने हैमस्ट्रिंग में चोट लग गई थी। भारतीय टीम मैनेजमेंट और मेडिकल स्टाफ अब वॉशिंगटन सुंदर की चोट पर नजर रखे हुए है।

पूर्व भारतीय क्रिकेटर मनजोत कालरा श्रीलंका में गिरफ्तार

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय अंडर-19 क्रिकेटर मनजोत कालरा को श्रीलंका में गिरफ्तार किया गया है। उन पर लंका प्रीमियर लीग में एक खिलाड़ी को रिश्वत देने का आरोप लगा है। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तारी टूर्नामेंट के छठे सीजन की शुरूआत से कुछ घंटे पहले की गई। अपराधों की जांच करने वाली श्रीलंका पुलिस की स्पेशल इन्वेस्टिगेशन यूनिट ने हिरासत में लिया।

फुटबॉल वर्ल्ड चैंपियन को पहली बार मिलेंगे 490 करोड़

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

फुटबॉल वर्ल्ड कप चैंपियन को 51 मिलियन डॉलर करीब 490 करोड़ रुपए मिलेंगे। पहली बार विश्व चैंपियन को इतनी बड़ी रकम मिलेगी। इस बार 871 मिलियन डॉलर यानी करीब 8,400 करोड़ रुपए की इनामी राशि बांटने का ऐलान किया है।

वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाई करने वाले हर देश को कम से कम 12.5 मिलियन डॉलर यानी करीब 120 करोड़ रुपए मिलेंगे। फाइनल

मुकाबले से पहले ऋऋऋ ने ऐलान किया कि विजेता टीम के खिलाड़ियों को मेडल के साथ चैंपियनशिप रिंग भी दी जाएगी। तीसरे स्थान पर रहने वाली टीम को करीब 279 करोड़ (29 मिलियन डॉलर), चौथे स्थान पर रहने वाली टीम को करीब 259 करोड़ (27 मिलियन डॉलर) की पुरस्कार राशि दी जाएगी।

प्रवेश प्रारंभ
आवश्यकता है:- शिक्षक / शिक्षिकाओ की (अंग्रेजी माध्यम स्कूल में)
योग्यता :- ग्रेजुएट, पोस्ट ग्रेजुएट,
आफिस समय 10 से 01 बजे तक
आवेदन: 23-06-2026
सेन्ट मदार कान्वेंट स्कूल
36, मदार गेट सरदार स्टील के पास उज्जैन
फोन नम्बर:-2557390

मकान बेचना है
साईज 16X25, चार मंजिला होमस्टे हेतु उपयुक्त। कुंआ, दुकान सहित मकान बेचना है
पता रामरतन शर्मा मार्ग, उज्जैन
फोनः 7869850570
9827832632

आवश्यकता है
रेस्टोरेंट में कार्य करने हेतु हेल्पर की जो सभी कार्य कर सके आवश्यकता है।
संपर्क 9827820470

प्रॉपर्टी बेचना है
प्रॉपर्टी बेचना है इंदौर में 1. 700, sqft शॉप मेन रोड, 2. 1500,sqft plot भवर कुआं चौराहे पर, 3. 1500,sqft plot पर बना हुआ शोरूम मेन खंडवा रोड पर, 4. 2,लाख किराए पर लगे बैंक, 5. हॉस्टल विष्णुपुर में, 6. शोरूम विजय नगर में, 7. 1200,sqft रानी बाग में 8. 1500,sqft इंद्रपुरी में 9. रेस्टोरेंट विजय नगर में, 10. लक्जरी फार्म हाउस
संपर्क करें
पीसी राजपूत रीयल एस्टेट
9893713817

तुरंत आवश्यकता है
1 ग्राम ज्वेलरी व आर्टिफिशियल ज्वेलरी की मार्केटिंग के लिए युवक-युवतियों की आवश्यकता है। वेतनमान 15000 से शुरु। ड्यूटी 8 घंटे। कार्य क्षेत्र सिर्फ उज्जैन शहर के लिए। नोटः इच्छुक व्यक्ति एजेंसी लेने हेतु संपर्क करें।
बाबा डायरेक्ट मार्केटिंग कंपनी मालीपुरा, उज्जैन
मोबाइल- 9981248359

खरीदना / किराए से चाहीए
उज्जैन में कोई भी छोटी होटल या होम स्टे, जो चालू अवस्था में हो खरीदना / किराए से चाहीए
संपर्क 9893374872

आवश्यकता
छुरी वाली कटिंग मशीन एवं सर्कलकटिंग मशीन ऑपरेटर की जो दोनों मशीन चलाना जानता हो, चौकीदार की जो रात दिन फैक्ट्री पर रह सके.
संपर्क करे
श्री हरि पेपर इंडस्ट्री
8 मक्सी रोड इंडस्ट्रियल एरिया प्रवाह पेट्रोल पंप के पीछे, उज्जैन
मोबाइल 9425358095

आवश्यकता है
दुकान पर काम करने हेतु युवक-युवती की। पेन्ट-शर्ट बनाने वाले कारीगर की भी आवश्यकता है।
संपर्क करें 9575555715, 9425094114

रद्दी बेचना है
अखबारी फ्रेश रद्दी, थोक रेट में टनों से 10-10 किलो के बंडल में बेचना है
संपर्क 7773077762

बेचना है
अगरबत्ती का कारखाना बेचना है, वियतनाम ऑटोमैटिक मशीन। ड्रायर मिक्सर और अन्य सामान बेचना है। स्थान- नागझिरी, उज्जैन
संपर्क 9111328540

किराए से देना है
शहर के मध्य, पुराने दारू गोदाम के सामने, बुनकर समिति के अंदर 1500 & 2000 SQFT कमर्शियल व गोडाउन उपयोग हेतु 16 फीट ऊंचाई टीन शेड, बोरिंग सुविधा, अटैच लेट-बाथ, सर्व सुविधा युक्त
6267735937

आवश्यकता
अशासकीय विद्यालय श्री संस्कृति कॉ. मि. स्कूल भैरवगढ़ में अध्यापन हेतु शिक्षक-शिक्षिकाओं की आवश्यकता है- अनुभवी एवं प्रशिक्षित को प्राथमिकता-
योग्यता- B.E.D/D.E.D./Deled
वेतन- 7000 से 8000 प्रतिमाह
राजेश राव हाण्डे- 9977588698
Head Master
Shri Sanskriti Convent Middle School, Bhairavgar

न्यूज कॉलम

कारखाना संचालक का घर में खून से सना शव मिला, कमरे में सामान बिखरा मिला

इंदौर। चंदन नगर थाना क्षेत्र के राज नगर में रविवार सुबह एक कारखाना संचालक का घर में खून से सना शव मिला। मृतक की पहचान 50 वर्षीय कमल कुमावत के रूप में हुई है। उनके शरीर पर चोट के कई निशान मिले हैं। पुलिस ने मामला दर्ज कर हत्या की आशंका के साथ जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक, कमल कुमावत रविवार सुबह काफी देर तक नीचे नहीं आए। इस पर उनके भाई शेखर उन्हें देखने ऊपर कमरे में पहुंचे। दरवाजा खोलने पर कमरे में खून फैला हुआ था और कमल का शव पड़ा मिला। उन्होंने तुरंत परिवार और पुलिस को सूचना दी। परिजनों के अनुसार, कमरे का सामान भी बिखरा हुआ मिला है। इससे आशंका जताई जा रही है कि घटना से पहले संघर्ष हुआ हो सकता है। पुलिस इस पहलू की भी जांच कर रही है। परिवार ने बताया कि कमल कुमावत अलमारी बनाने का कारखाना संचालित करते थे। कमल की पत्नी की मौत पहले ही हो चुकी है। उनके दो बच्चे हैं, जो घटना के समय गांव गए हुए थे। परिवार में कमल के तीन भाई भी हैं। पुलिस हत्या के कारणों का पता लगाने के लिए परिजनों और आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है।

पुश्तैनी मकान के विवाद में रिश्तेदारों ने लाठी-डंडों से पीटा, महिला के कपड़े तक फाड़ डाले

इंदौर। इंदौर में पुश्तैनी मकान के विवाद को लेकर जमकर मारपीट हुई। पहले महिला और उसकी मां के साथ मारपीट की गई। इसके बाद शिकायत दर्ज कराने के कुछ ही देर बाद आरोपियों ने महिला के नेहरू नगर स्थित पुश्तैनी घर पहुंचकर दोबारा हमला कर दिया। आरोप है कि महिला को बेरहमी से पीटा गया, जिससे उसके कपड़े तक फट गए। बीच-बचाव करने आए उसके भाई के साथ भी मारपीट की गई। घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। एमआईजी पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, 32 वर्षीय महिला ने बताया कि उसके चाचा का कुछ समय पहले ही निधन हुआ है। इसके बाद परिवार के कुछ सदस्यों के बीच नेहरू नगर स्थित पुश्तैनी मकान को लेकर विवाद शुरू हो गया। शनिवार दोपहर इसी विवाद के चलते हीरा नगर क्षेत्र में महिला और उसकी मां के साथ रिश्तेदारों ने मारपीट की, जिसमें दोनों घायल हो गईं। घटना के बाद पीड़िता ने हीरा नगर थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई, जबकि उसकी मां मेडिकल परीक्षण के लिए अस्पताल चली गई।

तेज रफ्तार कार चाय की गुमटी में घुसी रिवर्स लेते समय दो बाइकों को मारी टक्कर

इंदौर। लसूडिया थाना क्षेत्र में रविवार तड़के एक तेज रफ्तार कार चाय की गुमटी में घुस गई। हादसे के बाद ड्राइवर ने कार रिवर्स लेने की कोशिश में दो बाइक को भी टक्कर मार दी। मौके पर मौजूद लोगों ने उसे पकड़ने का प्रयास किया, लेकिन वह कार लेकर फरार हो गया। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर ड्राइवर की तलाश कर रही है। घटना स्कीम नंबर-78 स्थित टेलीपरफॉर्मेंस के बाहर की है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, एक अर्टिगा कार तेज रफ्तार में आई और संतुलन बिगड़ने से सड़क किनारे लगी चाय की गुमटी में जा घुसी। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि ड्राइवर नशे की हालत में था। गुमटी से कार निकालने के दौरान उसने रिवर्स लेते हुए पास में खड़ी दो बाइक को भी टक्कर मार दी। इस दौरान सड़क किनारे खड़े लोगों की ओर भी कार बढ़ गई, जिससे लोग जान बचाने के लिए इधर-उधर भागे। मौके पर मौजूद लोगों ने कार ड्राइवर को पकड़ने की कोशिश की, लेकिन वह मौके से फरार हो गया। पुलिस को घटना के सीसीटीवी वीडियो मिले हैं।

वन विभाग की टीम पर तलवार से हमला पथराव कर गाड़ियों के कांच फोड़े

इंदौर। इंदौर के चोरल रेंज के ग्राम रसकुंडिया के जंगल में शनिवार दोपहर उस समय सनसनी फैल गई, जब शासकीय कार्य करने पहुंची वन विभाग की टीम पर कुछ लोगों ने हमला कर दिया। अतिक्रमण संभावित क्षेत्र में जल संरचना और कंटूर निर्माण का काम रोकने पहुंचे आरोपियों ने न सिर्फ वन विभाग के अमले पर पथराव किया, बल्कि तलवार और फालिये से भी हमला कर दिया। इस झड़प में एक वनरक्षक के हाथ की कलाई पर तलवार का हत्था लगने से वह घायल हो गया। उसे इलाज के लिए मध्यभारत अस्पताल भेजा गया। आरोपियों ने जेसीबी और वन विभाग की एम्बुलेंस पर भी पथराव किया, जिससे वाहनों को नुकसान पहुंचा। घटना के बाद सिमरोल थाने में शिकायत दर्ज कराई गई। पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। सिमरोल पुलिस के मुताबिक, वनपाल दर्शन सिंह परमार की शिकायत पर पवन पिता प्रेमसिंह भील, अनोखीलाल पिता प्रेमसिंह भील और प्रेमसिंह पिता पूनमचंद भील के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। वनपाल ने बताया कि वे जंगल में शासकीय कार्य कराने पहुंचे थे।

पुलिया का काम शुरू नहीं करने पर निगम कमिश्नर ने एजेंसी को फटकारा

इंदौर। इंदौर नगर निगम रोड बनाने के काम तेजी से हो इसके लिए लगातार कोशिश कर रही है। शनिवार को भमोरी प्लाजा से एरोप्लेन चौराहे तक एमआर-10 व सांवेर रोड इंडस्ट्रीयल एरिया व एमआर-5 सुपर कॉरिडोर से पीएमवाय तक बन रही रोड का काम नगर निगम कमिश्नर क्षितिज सिंघल ने देखा। निगम कमिश्नर ने भमोरी रोज पर पुलिया बनाने का काम शुरू नहीं करने पर एजेंसी को जमकर फटकार लगाई और पुलिया का काम शुरू करने के लिए कहा। साथ ही रोड बनाने का काम भी धीमी गति से चलने पर कंसल्टेंट व रोड बनाने वाली एजेंसी के प्रतिनिधि पर नाराजगी जताई और काम को तेजी से करने को कहा। साथ ही अधिकारियों को निर्देशित किया कि काम की गति नहीं बढ़ाने पर संबंधित एजेंसी पर प्रतिदिन के आधार पर पेनल्टी लगाई जाए। साथ ही लोगों को ट्रैफिक में दिक्कत नहीं आने और ट्रैफिक व्यवस्था प्रभावित नहीं हो इसके लिए रोड डायवर्शन कर एक ओर का ट्रैफिक व्यवस्था रखते हुए रोड बनाने का काम करने के लिए कहा।

मेडिकल स्टोर से युवक का अपहरण कर कार में बिठाकर हुए फरार

झाबुआ। मध्य प्रदेश के झाबुआ जिले में मेडिकल स्टोर से दिनदहाड़े एक युवक का अपहरण कर लिया गया। बदमाशों ने उसे बीच सड़क पर घेरकर हाथ-पैर पकड़ते हुए जबरन कार में डाल लिया। पूरी वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई। आरोपी लाठी-डंडों से लैस थे। पीड़ित की पहचान छोटी खयडू निवासी भल्लू (30) के रूप में हुई है। आरोपियों ने पहले उसे जमीन पर पटका, फिर घसीटते हुए कार में डाल दिया। भल्लू बचाओ-बचाओ चिल्लाता रहा, लेकिन किसी ने मदद नहीं की। घटना के बाद उसकी पत्नी थाने के चक्कर लगा रही है। पीड़ित की पत्नी के मुताबिक, भल्लू 17 जुलाई को दोपहर करीब 1.30 बजे बैंक में पैसे जमा कराने के लिए पारा गांव गया था। इसी दौरान एक कार में सवार 5 से 7 लोग वहां पहुंचे। उनके हाथों में लाठी-डंडे थे। उन्होंने भल्लू का अपहरण कर कार में बैठाया और फरार हो गए। पीड़ित की पत्नी भूरीबाई ने बताया, हम छोटी खयडू गांव में रहते हैं। कुछ दिन पहले बकरियां चराने को लेकर पड़ोसी सोबान से विवाद हुआ था। इसकी शिकायत 14 जुलाई को पुलिस में भी की थी।

1.90 करोड़ खर्च कर लगाए गए पौधे सूखे, मेट्रो रेल प्रोजेक्ट के तहत काटे गए थे हजारों पेड़

धार। धार जिले के सरदारपुर वन परिक्षेत्र की कौद बीट के ग्राम शेरगढ़ में मेट्रो रेल परियोजना के तहत काटे गए पेड़ों की भरपाई के लिए किया गया वृक्षारोपण सवालों के घेरे में है। वन विभाग ने करीब तीन महीने पहले 30.178 हेक्टेयर क्षेत्र में 30,178 पौधे लगाए थे, लेकिन अब इनमें से हजारों पौधे सूख चुके हैं। कई जगह पौधों का नामोनिशान तक नहीं है। जहां पौधे लगाए गए थे, वहां अब सिर्फ सूखे डंठल दिखाई दे रहे हैं। इस वृक्षारोपण पर करीब 1 करोड़ 91 लाख 77 हजार रुपए खर्च किए गए थे। इसका उद्देश्य मेट्रो रेल परियोजना में कटे पेड़ों की भरपाई करना और क्षेत्र में हरियाली बढ़ाना था। लेकिन मौजूदा स्थिति योजना की सफलता पर सवाल खड़े कर रही है। मौके पर बड़ी संख्या में पौधे सूखे मिले। कई स्थानों पर पौधों का अस्तित्व तक नहीं दिख रहा है। इससे यह सवाल उठ रहा है कि पौधारोपण के बाद उनकी देखभाल और निगरानी कितनी गंभीरता से की गई। विशेषज्ञों के अनुसार, वृक्षारोपण केवल पौधे लगाने तक सीमित नहीं होता। उनकी नियमित सिंचाई, सुरक्षा और देखभाल भी उतनी ही जरूरी होती है। यदि पौधारोपण के बाद रखरखाव नहीं किया जाए, तो करोड़ों रुपए खर्च होने के बावजूद योजना का उद्देश्य पूरा नहीं हो पाता। शेरगढ़ का यह मामला भी इसी ओर इशारा करता है।

पोस्टल असिस्टेंट उर्मिला सैनी की हत्या के बाद लगातार फरार चल रहा

आरोपी पति अखिलेश सैनी का शव रेलवे ट्रैक पर मिला

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

इंदौर के पोस्टल असिस्टेंट उर्मिला सैनी हत्याकांड में नया मोड़ सामने आया है। वारदात के बाद से लगातार फरार चल रहे आरोपी पति अखिलेश सैनी का शव गंजबासौदा में रेलवे ट्रैक से बरामद किया गया है। शुरूआती जांच में जो सबसे हैरान करने वाली बात सामने आई है, वह यह है कि बरामद शव का सिर धड़ से पूरी तरह गायब है। मृतक की पैंट की जेब से मिले दस्तावेजों के आधार पर उसकी पहचान अखिलेश सैनी के रूप में की गई है।

पुलिस विभाग का कहना है कि परिजनों द्वारा शव की प्रत्यक्ष पहचान किए जाने के बाद ही इस मामले में कोई आधिकारिक पुष्टि की जाएगी। घटना की जानकारी मिलते ही इंदौर पुलिस की एक विशेष टीम के साथ अखिलेश के परिजन गंजबासौदा के लिए रवाना हो चुके हैं।

सिर की खोज में पुलिस का सघन तलाशी अभियान

थाना प्रभारी वेदिया ने आगे बताया कि शव का सिर गायब होने के कारण पुलिस ने तुरंत आस-पास के इलाके में खोजबीन शुरू की। पुलिस की टीमों ने रेलवे ट्रैक के आसपास के करीब 6 किलोमीटर तक के दायरे में सघन तलाशी अभियान चलाया। इस लंबी और बारीक जांच के बावजूद पुलिस को अब तक मृतक का सिर बरामद करने में सफलता नहीं मिल सकी है।

सरकारी आवास में हुई थी उर्मिला की निर्मम हत्या

इस पूरे मामले की शुरूआत बीती 11 जुलाई को हुई थी, जब सरकारी आवास में रहने वाली 38 वर्षीय पोस्टल असिस्टेंट उर्मिला सैनी की बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। इस खौफनाक वारदात का खुलासा उस वक्त हुआ जब दोपहर के करीब एक बजे उर्मिला के दोनों बच्चे स्कूल से पढ़ाई पूरी कर अपने घर लौटे थे। बच्चों ने देखा कि घर का मुख्य दरवाजा खुला हुआ था और भीतर टेलीविजन बहुत तेज आवाज में चल रहा था।

मासूम बच्चों ने देखा था मां का शव

जैसे ही बच्चे घर के भीतर दाखिल हुए, उन्होंने अपनी मां को खून से लथपथ हालत में मृत पाया। इस खौफनाक मंजर को देखकर बच्चे बुरी तरह सहम गए और उन्होंने तुरंत अपने नाना सत्यनारायण मालाकार को फोन कर घटना की जानकारी दी। बच्चों के रोने और चीखने की आवाज सुनकर पड़ोस के लोग भी तुरंत मौके पर इकट्ठा हो गए, जिसके बाद तत्काल स्थानीय पुलिस को इस घटना की सूचना दी गई।

रेलवे ट्रैक पर क्षत-विक्षत हालत में मिला शव

टीआई संजय वेदिया ने बताया कि गंजबासौदा और पवई स्टेशन के बीच रेलवे ट्रैक के पोल नंबर 925 के पास एक अज्ञात शव पड़े होने की सूचना पुलिस को मिली थी। जब पुलिस टीम मौके पर पहुंची, तो वहां का नजारा भयावह था। पटरी पर केवल एक पुरुष का धड़ पड़ा हुआ था, जबकि उसका सिर वहां मौजूद नहीं था। पुलिस ने जब मृतक के कपड़ों की तलाशी ली, तो उसकी जेब से अखिलेश सैनी से संबंधित दस्तावेज और एक सुसाइड नोट बरामद हुआ।

अंडरग्राउंड मेट्रो स्टेशन की खुदाई के दौरान स्थानीय लोगों ने कंपन के कारण काम रुकवा दिया था

प्रभावित कॉम्प्लेक्स में मेट्रो जीएम ने किराए से लिया फ्लैट

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

मल्हारगंज में अंडरग्राउंड मेट्रो स्टेशन की खुदाई का काम चल रहा है। इस दौरान स्थानीय लोगों ने भूकंप जैसे झटके और कंपन (वाइब्रेशन) महसूस होने को लेकर काम रुकवा दिया। अब इस शिकायत की सच्चाई जानने के लिए मेट्रो के जनरल मैनेजर रणवीर सिंह राजपूत ने खुद उसी प्रभावित इलाके की एक बहुमंजिला इमारत (महंत कॉम्प्लेक्स) में फ्लैट किराए पर ले लिया है।

अब वे वहीं रहकर निर्माण कार्य के दौरान होने वाले कंपन और उसके असर की निगरानी करेंगे। फ्लैट में निगरानी के लिए तकनीकी उपकरण भी लगाए गए हैं।

रहवासी बोले- महीनों से कर रहे शिकायत- इलाके के लोगों का कहना है कि वे लंबे समय से कंपन, तेज आवाज और मकानों में दरारें आने की शिकायत कर रहे हैं, लेकिन उनकी बातों को गंभीरता से नहीं लिया गया। उनका सवाल है कि अधिकारियों को सच्चाई जानने के लिए अब खुद फ्लैट में रहने की जरूरत क्यों पड़ गई।

कैलाश विजयवर्गीय ने दिया भरोसा- शुक्रवार रात मंत्री कैलाश विजयवर्गीय भी रहवासियों से मिलने पहुंचे और अधिकारियों से बात करने का आश्वासन दिया। गौरतलब है कि अंडरग्राउंड मेट्रो परियोजना शुरू होने से पहले भी उन्होंने लोगों से कहा था कि निर्माण कार्य से किसी मकान या दुकान को नुकसान नहीं होगा। उन्होंने तब कहा था- दिल्ली के चांदनी चौक की तरह यहां भी काम होगा। एक गमला भी नहीं टूटेगा। अब मेट्रो जीएम की मौके पर मौजूदगी के बाद सभी की नजर इस रियलिटी चेक की रिपोर्ट पर है।

मेट्रो प्रबंधन ने दावों को बताया भ्रामक

मेट्रो प्रबंधन का कहना है कि शनिवार को निर्माण कार्य के दौरान सभी तकनीकी जांच की गई, लेकिन कंपन जैसी कोई स्थिति सामने नहीं आई। अधिकारियों के अनुसार खुदाई के दौरान जेसीबी के पंजे से मिट्टी हटाने की प्रक्रिया में हलकी आवाज होती है, जिसे कुछ लोग कंपन समझ रहे हैं। उनका दावा है कि भूमिगत खुदाई से इस तरह का कंपन होना तकनीकी रूप से संभव नहीं है। मेट्रो अधिकारियों का कहना है कि कुछ लोग शुरूआत से ही परियोजना का विरोध कर रहे हैं और गलत फहमी फैला रहे हैं। उनका कहना है कि रहवासियों की सुविधा के लिए रात में सिर्फ कंक्रीटिंग का काम किया जाता है, जबकि खुदाई और बोरिंग केवल दिन में होती है। अन्य शहरों में मेट्रो का निर्माण 24 घंटे चलता है।

ऑनलाइन सट्टा और ड्रग्स तस्करी मामले में

नाना पटवारी से चौथी बार पूछताछ पुलिस ने कराया आमना-सामना

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

ऑनलाइन सट्टा और ड्रग्स तस्करी से जुड़े मामले की जांच लगातार आगे बढ़ रही है। इसी कड़ी में राजेंद्र नगर थाना पुलिस ने कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी के भाई नाना पटवारी को चौथी बार पूछताछ के लिए थाने बुलाया। इस दौरान पुलिस ने उनका आमना-सामना ड्रग्स तस्करी और ऑनलाइन सट्टा संचालन के आरोप में गिरफ्तार आरोपियों से कराया।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, पूछताछ के दौरान नाना पटवारी ने गिरफ्तार आरोपियों को पहचानने की बात स्वीकार की। उन्होंने यह भी बताया कि वे ऑनलाइन सट्टा खेलते रहे हैं। अब पुलिस इस जानकारी के आधार पर यह जांच कर रही है कि उनकी भूमिका केवल सट्टा खेलने तक सीमित थी या मामले से उनका कोई अन्य संबंध भी रहा है। राजेंद्र नगर थाना पुलिस के मुताबिक, पूरे मामले की जांच कई पहलुओं पर की जा रही है। गिरफ्तार आरोपियों से लगातार पूछताछ की जा रही है और उनके बयानों का डिजिटल साक्ष्यों, मोबाइल डेटा तथा अन्य सबूतों से मिलान किया जा रहा है। इसी क्रम में संदिग्ध व्यक्तियों को पूछताछ के लिए बुलाया जा रहा है, ताकि पूरे नेटवर्क और उससे जुड़े लोगों की भूमिका स्पष्ट हो सके। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि फिलहाल जांच जारी है और किसी भी व्यक्ति की भूमिका को लेकर अंतिम निष्कर्ष पर नहीं पहुंचा गया है। जांच में सामने आने वाले साक्ष्यों के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

लोकतंत्र सेनानियों का सम्मान समारोह

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

देश में आपातकाल के 50 साल पूरे होने पर लोकतंत्र सेनानियों (मीसाबंदी) का राष्ट्रीय सम्मान एवं मिलन समारोह रविवार को खंडवा रोड स्थित अखंड परमधाम आश्रम में शुरू हुआ। मध्य प्रदेश के साथ उत्तर प्रदेश, दिल्ली, राजस्थान, गुजरात और महाराष्ट्र से लोकतंत्र सेनानी समारोह में शामिल होने पहुंचे।

समारोह में लोकतंत्र सेनानियों के संघर्ष, जेल यात्राओं और लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा के लिए दिए गए योगदान को याद किया गया। समारोह में देशभर से आए लोकतंत्र सेनानियों का शाल, श्रीफल और प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मान किया। आयोजन के दौरान आपातकाल के दौर में लोकतंत्र की रक्षा के लिए किए गए संघर्षों और जेल में बिताए गए दिनों को भी साझा किया।

इंदौर में 250 सीसीटीवी खंगालकर आरोपियों तक पहुंची पुलिस, तीसरे की तलाश जारी

बाइक-सवार पर डंडे से हमला करने वाले दो बदमाश गिरफ्तार

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

इंदौर में बाइक सवार पर डंडे से हमला कर उसे घायल करने वाले दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है, जबकि एक आरोपी की तलाश जारी है। आरोपियों तक पहुंचने के लिए पुलिस को 250 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी पड़ी, जिसके बाद उनका सुराग मिला।

एमआईजी थाना प्रभारी सी.बी. सिंह ने बताया कि 17 जुलाई को फरियादी निखिल (22) पुत्र विनोद पाटिल, निवासी कृष्णबाग कॉलोनी, ड्यूटी खत्म कर बाइक से सत्यसाई चौराहे से अपने घर जा रहा था। अलसुबह करीब 4 बजे जब वह बर्फानी धाम स्थित पानी की टंकी के पास पहुंचा, तो सड़क पर पड़ी एक ईंट को बाइक पर बैठे-बैठे पैर से हटाने लगा। तभी सामने से बाइक पर आए तीन बदमाशों में से एक ने उसके मुंह पर डंडे से हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

डंडा और बाइक भी जब्त- घटना के बाद फरियादी ने थाने में शिकायत दर्ज कराई। मामले की गंभीरता को देखते हुए अधिकारियों के निर्देश पर विशेष पुलिस टीम गठित की गई। टीम ने घटनास्थल और आसपास के 250 सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले। फुटेज में आरोपियों के हुलिए और पहने हुए कपड़ों के रंग के आधार पर उनकी पहचान हुई। इसके बाद पुलिस ने गौतम पुत्र गोपाल बिल्लौरे और अरुण पुत्र मुकेश बनिया, दोनों निवासी कृष्णबाग कॉलोनी, को गिरफ्तार कर लिया। वहीं तीसरे आरोपी शुभम पुत्र राकेश रोकड़े, निवासी कृष्णबाग कॉलोनी, की तलाश जारी है। पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल डंडा और बाइक भी जब्त कर ली है।

पुलिस ने घेराबंदी कर ई-रिक्शा से 70 हजार की शराब पकड़ी

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

कनाडिया पुलिस ने ई-रिक्शा से शराब ले जाने वाले दो को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से 70 हजार रुपए कीमत की शराब भी जब्त की गई है। इसके साथ ही पुलिस ने 5 लाख रुपए कीमत का ई-रिक्शा भी जब्त कर लिया है।

कनाडिया पुलिस के मुताबिक पुलिस को मुखबीर से सूचना मिली कि दो लोग ई-रिक्शा में अंग्रेजी शराब भरकर फिनिक्स मॉल की तरफ जा रहे हैं, जिस पर पुलिस ने घेराबंदी की और ई-रिक्शा को रोका। रिक्शा की तलाशी ली तो उसने पीछे की तरफ कार्टुन रखे हुए थे, जिसमें अंग्रेजी शराब व बीयर भरी हुई थी।

पूछताछ में दोनों ने अपने नाम जगदीश (60) पिता सूरजमल वर्मा निवासी शिव मंदिर के पास ग्राम कनाडिया और हरदेवसिंह (29) पिता सुखसिंह परमार निवासी कस्वा दवोह जिला भिंड हाल पता स्कीम नंबर 134 वसुंधरा अपार्टमेंट के पीछे बताया।

पत्नी ने प्रेमी संग मिलकर की पति की हत्या

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

महू में बड़गोंदा थाना क्षेत्र में एक मजदूर की हत्या की गुत्थी को पुलिस ने सुलझा लिया है। शनिवार को खुलासा हुआ है कि युवक की पत्नी ने ही अपने प्रेमी के साथ मिलकर पति को मौत के घाट उतारा था। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया है।

युवक की पहचान मंडलेश्वर के रहने वाले 46 वर्षीय राजू बामनिया के रूप में हुई थी। राजू की पत्नी आशापुरा के पास निसर्ग परिसर में एक निर्माणाधीन फार्म हाउस पर मजदूरी का काम करती थी। इसी दौरान वहां काम करने वाले एक अन्य मजदूर से उसके प्रेम संबंध बन गए थे।

पुलिस के मुताबिक, गुरुवार को राजू अपनी पत्नी और उसके प्रेमी के बीच आ रहा था। इसी वजह से दोनों ने मिलकर राजू को रास्ते से हटाने का मन बना लिया। घटना की रात जब राजू मंडलेश्वर से अपनी पत्नी के पास फार्म हाउस पहुंचा, तो वहां उसकी पत्नी और प्रेमी पहले से मौजूद थे।

तीनों ने एक साथ बैठकर शराब पी। इसी बीच योजना के तहत विवाद शुरू हुआ और प्रेमी ने राजू के सिर, कनपटी और चेहरे पर लोहे के सरिए से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपियों ने इस हत्या को सामान्य दिखाने की कोशिश की। अगले दिन भी उन्होंने शराब पी और राजू को फार्म हाउस के पास एक नीम के पेड़ के नीचे फेंक दिया। दोपहर में जब बच्चों ने राजू को बेसुध हालत में देखा, तो पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस राजू को तुरंत अस्पताल ले गई। शुरूआती जांच में ही पुलिस को राजू के सिर पर चोट के गहरे निशान मिले थे, जिससे मर्डर का शक पुख्ता हो गया था।

स्वत्वाधिकारी अवंतिका प्रकाशन (भागीदारी फर्म) के लिए प्रकाशक, मुद्रक संदीप मेहता द्वारा अवंतिका ऑफसेट 2, रानी लक्ष्मीबाई मार्ग उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित एवं ए-5 द्वितीय तल विजयनगर मेन रोड इन्दौर (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक : संदीप मेहता, फोन : 0731-4085777, मोबा. 9827771777 e-mail: awantikapress@gmail.com